mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-290 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
20 अक्टूबर 2024 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

हरमनप्रीत न्यूजीलैंड...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के पंचकूला में खाई में गिरी स्कूल बस

15 बच्चे घायल

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला में शनिवार दोपहर पंजाब से मोरनी हिल्स जा रही बच्चों से भरी स्कूल बस खाई में पलट गई। हादसे में बस के ड्राइवर के अलावा 10 से 15 बच्चे घायल हो गए। बच्चे स्कूल ट्रिप पर मोरनी हिल्स जा रहे थे। सभी बच्चों को मोरनी के

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर घायल बच्चों को पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बस ड्राइवर विनोद छाबड़ा के दोनों पैरों में फ्रैक्चर है। उन्हें चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा कैसे हुआ। पुलिस की टीमें जांच कर रही हैं।

मणिपुर में उग्रवादियों ने गांव पर बम फेंके

फायरिंग जारी

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़की है। बोरोबेकरा इलाके के एक गांव में उग्रवादियों ने शनिवार सुबह 5 बजे फायरिंग कर दी। बोरोबेकरा पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने गांव में बम भी फेंके हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और सीआरपीएफ

की टीमें मौके पर पहुंची हैं। उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग लगातार जारी है। फिलहाल हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। पुलिस ने बताया कि बोरोबेकरा जिरिबाम टाउन से 30 किमी दूर है। इस इलाके में घने जंगल और पहाड़ हैं और यहां पहले भी गोलीबारी हो चुकी है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में दो आतंकी गिरफ्तार

3 ग्रेनेड और 1 पिस्तौल भी बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3 ग्रेनेड और 1 पिस्तौल भी बरामद की गई है। सेना के अधिकारियों ने बताया ये दोनों जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स नाम के संगठन से जुड़े हाइब्रिड आतंकी हैं। हाइब्रिड आतंकी आम नागरिकों

की तरह ही इलाके में रहते हैं, लेकिन चोरी-छिपे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं या आतंकियों की सहायता करते हैं। इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। जम्मू पुलिस के डीसीपी आनंद जैन ने कहा कि पूछताछ में पता चला कि दोनों आतंकी ने मंदिर, सेना के ठिकानों और एक अस्पताल पर ग्रेनेड फेंकने की प्लानिंग कर रहे थे।

हिंसा के बाद बुलडोजर ऐक्शन की हो गई तैयारी

बहराइच के 23 घरों पर रातोंरात चिपकाया अतिक्रमण का नोटिस

सीएम योगी को एसटीएफ चीफ ने बताए क्षेत्र के हालात

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच हिंसा का शनिवार को 7वां दिन है। सड़कों पर अभी भी सन्नाटा है। जगह-जगह फोर्स तैनात है। हालांकि, अब प्रशासन एक्शन में जुट गया। राम गोपाल की हत्या में मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद के घर पर बुलडोजर चल सकता है। इसी घर में भगवा झंडा लहराने के दौरान राम गोपाल को गोली मारी गई थी। शुक्रवार रात को पीडब्ल्यूडी की ओर से महाराजगंज में 23 मकानों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। इनमें 20 मुस्लिम और 3 हिंदुओं के मकान हैं। प्रशासन ने 3 दिन का वक्त दिया है। नोटिस का जवाब न मिलने पर बुलडोजर कार्रवाई हो सकती है। यह वही जगह है जहां से मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंसा की शुरुआत हुई थी। हालांकि, पीडब्ल्यूडी ने एक बयान जारी कहा- महाराजगंज में पहले भी अतिक्रमण हटाया गया था। दोबारा रोड किनारे अतिक्रमण हो गया। इसे हटाया जाएगा। जिन 23 घरों में नोटिस चस्पा किए गए हैं, उनमें हिंसा के आरोपियों में एक नाम है।

महाराष्ट्र में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग फाइनल

भाजपा 155 सीटों पर लड़ेगी

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर शुक्रवार देर रात अमित शाह के घर एनडीए के घटक दलों की ढाई घंटे बैठक चली। इसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार शामिल हुए। बैठक में राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित गुट में सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 155, शिवसेना शिंदे गुट 78 और एनसीपी अजित पवार गुट 55 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में छोटी पार्टियों को भी कुछ सीटें दिए जाने पर सहमति बनी। कुछ सीटों को लेकर पेंच अमित शाह के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर सुलझाया जाएगा। दोनों उप मुख्यमंत्री महाराष्ट्र लौट आए हैं।

राहुल बोले, महिलाएं दफ्तरों में अब सिम्बॉलिक पद न लें

- उन्हें अपने हक के लिए लड़ना चाहिए, आजकल सिर्फ विचारधाराओं की लड़ाई होती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली में शक्ति अभियान की मीटिंग में महिलाओं से कहा कि महिलाओं को ऑफिस में केवल को महिला संख्या दिखाने वाले सिम्बॉलिक पद स्वीकार नहीं करने चाहिए। उन्हे अपने हक के लिए लड़ना चाहिए और बड़े पदों की मांग करनी चाहिए। राहुल ने महिलाओं से कहा कि आज की राजनीति में केवल पॉलिटिकल पार्टियों की ही लड़ाई नहीं होती है, बल्कि आज की राजनीति अलग-अलग विचारधाराओं की लड़ाई बन गई है। उन्होंने कहा कि आज राजनीति में लड़ाई सिर्फ सत्ता के लिए नहीं बल्कि लीडरशिप के लिए भी है। दरअसल, शक्ति अभियान महिलाओं का एक संगठन है। इसमें अलग-अलग क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिलाएं शामिल होती हैं। यह मीटिंग शनिवार और रविवार को भी जारी रहेगी। राहुल बोले- मैं महिलाओं के अधिकारों के साथ हूं राहुल ने मीटिंग में कहा कि इंदिरा फेलोशिप जमीनी स्तर की महिला नेताओं के एक मजबूत नेटवर्क को खड़ा करने में मदद कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड के प्रस्ताव को एलजी की मंजूरी

उमर दो दिन में पीएम मोदी से मिलेंगे, डिप्टी सीएम बोले-केंद्र वादा पूरा करे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने शनिवार को मंजूरी दे दी। गुरुवार को राज्य के दर्जे की बहाली के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास किया था। डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा, केंद्र को अपना वादा पूरा करना चाहिए और राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, यह हमारा अधिकार है। हम वही मांग रहे हैं जो उन्होंने पहले ही वादा किया था। इस मांग को लेकर उमर अब्दुल्ला 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था। उमर ने

विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि कैबिनेट की पहली मीटिंग में ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा। 16 अक्टूबर को सीएम पद की शपथ लेने के बाद अगले दिन ही उन्होंने प्रस्ताव पास किया। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी, मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा भी मौजूद थे। पीडीपी ने उमर कैबिनेट के फैसले को लेकर कहा कि यह हमारे लिए बड़ा झटका है। उमर सरकार ने स्टेटहुड बहाली का प्रस्ताव क्यों पारित किया। 370 की बहाली पर भी फैसला करना चाहिए था। पीडीपी के विधायक वहीद पर्रा ने शुक्रवार को कहा- उमर अब्दुल्ला का राज्य के दर्जे पर प्रस्ताव पारित करना 5 अगस्त, 2019 के केंद्र के फैसले का समर्थन करने से कम नहीं है। उमर ने 370 को बहाल करने के वादे पर ही वोट मांगे थे। प्रस्ताव को उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

हिज्बुल्लाह ने नेतन्याहू के निजी आवास पर किया ड्रोन अटैक

आईडीएफ बोला-

होम टाउन सिसेरिया में हमला, इजराइली पीएम और परिवार मौजूद नहीं था

तेल अवीव (एजेंसी)। हिजबुल्लाह ने शनिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के होम टाउन सिसेरिया में ड्रोन अटैक किया। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आईडीएफ ने हमले की पुष्टि की है। आईडीएफ ने कहा कि इस ड्रोन अटैक में पीएम नेतन्याहू का निजी आवास निशाने पर था। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। ड्रोन सिसेरिया की एक इमारत पर गिरा। कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि शनिवार को लेबनान से इजराइल पर 3 ड्रोन दागे गए।

इजराइली फोर्सेस ने 2 ड्रोन को मार गिराया। अटैक के बाद गिलोट सैन्य अड्डे पर अलार्म बजने लगे। आईडीएफ ने माना है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम हमले को रोकने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि वे ड्रोन घुसपैठ की जांच कर रहे हैं। आईडीएफ ने कहा कि पिछले एक घंटे में (भारतीय समय से दोपहर 1 से 2 बजे के बीच) लेबनान से उत्तरी इजराइल पर लगभग 55 रॉकेट दागे गए हैं। कुछ को रोक लिया गया है जबकि कई खुले इलाके में गिरे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में कम से कम 9 लोग घायल हुए हैं। इजराइली हमले में हमास चीफ याह्या सिनवार की मौत के बाद पहली बार ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई का बयान आया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक उन्होंने कहा है कि याह्या सिनवार की मौत के बाद भी हमास खत्म नहीं हुआ है। सिनवार अपने शहीद दोस्तों के पास चले गए हैं।

झारखंड में 70 सीटों पर मिलकर लड़ेंगी कांग्रेस-जेएमएम

- राजद को 7 सीटें, 4 पर फैसला नहीं

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित कई नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस और जेएमएम 70 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी, बाकी बची सीटों के लिए जल्द ही जानकारी साझा की जाएगी। सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा- अन्य सीटों के लिए मंथन किया जाएगा। हमारे साथ वाम दल भी जुड़ रहे हैं उनके साथ भी सीट साझा की जाएगी। राजद को 7 सीट देने पर सहमति बनी है। होटल रेडिसन ब्लू में राजद की बैठक चल रही है। मीटिंग खत्म होने के बाद उनका पक्ष क्या आता है, इसके बाद आगे की बात सामने आएगी। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी आज झारखंड दौरे हैं। वे रांची एयरपोर्ट से सीधे रेडिसन ब्लू होटल पहुंचे हैं।

खाड़ी देशों में तेरह हजार पीएफआई मेंबर्स हैं ऐक्टिव

ईडी का आरोप-इन्हें करोड़ों के फंड जुटाने का है टारगेट

भारत में आतंकियों तक हवाला से पहुंचाई जा रही रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ 2 साल से चल रही ईडी की जांच में नए खुलासे हुए हैं। ईडी ने शुक्रवार को बताया कि पीएफआई के सिंगापुर और खाड़ी देशों में 13 हजार से ज्यादा ऐक्टिव मेंबर्स हैं, जिन्हें करोड़ों रुपए के फंड जुटाने की जिम्मेदारी मिली हुई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पीएफआई ने खाड़ी देशों में रह रहे प्रवासी मुस्लिम समुदाय के लिए डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटियां बनाई हैं। इन्हीं कमेटियों को फंड जुटाने की जिम्मेदारियां दी गई थीं। ईडी ने बताया कि विदेशों से जुटाए करोड़ों के फंड को अलग-अलग बैंकिंग चैनलों के साथ-साथ हवाला के माध्यम से भारत भेजा जाता था, ताकि इस फंड को ट्रेस न किया जा सके। यह फंड भारत में बैठे पीएफआई के अधिकारियों और आतंकियों तक आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पहुंचाया जाता था। सितंबर 2022 में देशभर में पीएफआई के ठिकानों पर एनआईए और ईडी ने छापा मारा था। इसमें पीएफआई से जुड़े कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया था। इन पर यूएपीए के तहत कार्रवाई की गई थी। छापेमारी के बाद केंद्र सरकार ने 2022 से पीएफआई संगठन को बैन कर दिया था। ईडी तब से पीएफआई के खिलाफ जांच कर रही है।

6 दिन में अब तक 50 से ज्यादा विमानों में बम की धमकियां, 80 करोड़ का नुकसान

बम की धमकी के बाद 30 फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरलाइंस की 30 से ज्यादा फ्लाइट में शनिवार को बम होने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो, एअर इंडिया, अकासा, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एअर और एलायंस एयर शामिल हैं। पिछले एक हफ्ते में 50 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है, ये सभी झूठी साबित हुई। इन धमकियों की वजह से एयरलाइंस को अब तक 80 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया था। गृह मंत्रालय ने भी एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इंडिगो की 3 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली

है। इसमें दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल जा रही इंडिगो भी शामिल हैं। इसके अलावा विस्तारा की उदयपुर से मुंबई जाने वाले विमान को भी धमकी मिली थी। इन सभी विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि, शनिवार को 20 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली है, लेकिन सभी की डिटेल सामने नहीं आई है। लंदन और दुबई जा रही फ्लाइट में बम की धमकी शुक्रवार की देर रात एअर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा एयरलाइंस की एक-एक फ्लाइट में बम होने की धमकी दी गई। इनमें से दिल्ली से लंदन जा रही विस्तारा की फ्लाइट को फ्रैंकफर्ट डायवर्ट किया गया। जबकि 189 पैसेंजर्स को लेकर दुबई जयपुर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान की जयपुर में रात 1:40 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जांच में दोनों ही विमानों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। मुंबई पुलिस ने एक को अरेस्ट किया मुंबई की पुलिस ने फ्लाइट में बम रखने की झूठी खबर फैलाने के मामले में एक को गिरफ्तार किया है।

शनिवार को 15 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो, एअर इंडिया और अकासा की 15 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह आंकड़ा सिर्फ शनिवार का है। इस वजह से कई फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी है। पिछले कई दिनों से कई विमानों को ऐसी ही धमकियां लगातार मिल रही है, केंद्र ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी है। लेकिन आज शनिवार को बड़े स्तर पर कई एयरलाइन्स को ऐसी धमकी जिस वजह से हड़कंप मच गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो को उसकी पांच इटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए धमकी मिली है जिसमें कई नंबर शामिल है। एयरलाइन ने एक जारी बयान में कहा है कि वो हर जरूरी कदम उठाएगी और अधिकारियों से लगातार संपर्क साध रही है। जानकारी तो यह भी मिली है कि इंडिगो की 6ए 17 फ्लाइट मुंबई से इस्तानबुल जा रही थी। वहीं 6ए 184 फ्लाइट जोधपुर से दिल्ली के लिए निकली थी। लेकिन दोनों ही विमानों की इमजरेंसी लैंडिंग हुई है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री औद्योगिक निवेश के लिए विन्ध्य के उद्योगपतियों से करेंगे संवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव रीवा एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह में शामिल होने के लिए 20 अक्टूबर को दोपहर 1.30 बजे रीवा पहुंचेंगे। एक दिवसीय प्रवास में मुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। एयरपोर्ट परिसर में आयोजित लोकार्पण समारोह से पहले मुख्यमंत्री रीवा संभाग के उद्योगपतियों से विन्ध्य में औद्योगिक निवेश के संबंध में संवाद करेंगे। एयरपोर्ट परिसर में विशेष रूप से बनाए गए हाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आगमन दोपहर 2 बजे होगा। कार्यक्रम में केन्द्रीय दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल तथा सांसद श्री जनार्दन मिश्र भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में दोपहर 2.05 बजे अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा उद्योपति करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव क्रमशः सतना, सिंगरौली, मैहर, सीधी और रीवा जिले के उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उद्योगपतियों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का समापन दोपहर 2.45 बजे होगा। कार्यक्रम स्थल में रीवा जिले के लगभग 70 उद्योगपति तथा उद्यमी शामिल होंगे। अन्य जिलों के उद्योगपति वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उप मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट समारोह स्थल का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को बनारस से शाम 4 बजे वर्चुअली माध्यम से रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके लिए रीवा में एयरपोर्ट परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने एयरपोर्ट परिसर स्थित समारोह स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्रा, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे एयरपोर्ट एथारिटी के अधिकारी रामजी अवस्थी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 20 अक्टूबर को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। मुख्यमंत्री दोपहर एक बजे वायुयान से भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 1.50 बजे एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे से एयरपोर्ट परिसर में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के उद्योगपतियों से संवाद करेंगे। बैठक में 23 अक्टूबर को रीवा में आयोजित हो रहे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के संबंध में चर्चा की जाएगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे रीवा एयरपोर्ट लोकार्पण समारोह के मुख्य मंच में पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बनारस से वर्चुअल माध्यम से रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री लोकार्पण समारोह में शामिल होने के बाद शाम 5.15 बजे रीवा एयरपोर्ट से वायुयान द्वारा इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कमिश्नर ने रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव के लिए तैनात किये अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 23 अक्टूबर को कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद ने इस कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए संभाग के अन्य जिलों के 8 अधिकारियों को तैनात किया है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर सतना स्वप्निल वानखेड़े, अपर कलेक्टर मैहर शैलेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर सिंगरौली संजीव पाण्डेय, एसडीएम रघुराज नगर सतना राहुल सिलाड़िया, एसडीएम गोपदबनास सीधी नीलेश कुमार शर्मा, एसडीएम चितरंगी जिला सिंगरौली सुरेश जाधव, एसडीएम जिला मझौली आरपी त्रिपाठी तथा एसडीएम मझगवां जिला सतना जीतेन्द्र वर्मा को रीवा में तैनात किया गया है। इन सभी अधिकारियों को 22 अक्टूबर से कार्यक्रम के समापन तक कलेक्टर कार्यालय रीवा में सेवाएं देने के निर्देश दिये गये हैं। यह सभी अधिकारी कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा सौंपे गये दायित्व का निर्वहन करेंगे। सभी अधिकारियों को 22 अक्टूबर को शाम 4 बजे से पहले रीवा में उपस्थित होने के आदेश दिये गये हैं।

रीवा एयरपोर्ट से विन्ध्य के विकास को मिलेगा नया आयाम

प्रधानमंत्री मोदी आज बनारस से वर्चुअली करेंगे रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण, रीवा में मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, उप मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री होंगे समारोह में शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आवागमन के साधनों में हवाई सेवा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। रीवा में अब तक चोरहटा में हवाई पट्टी है जिसमें हेलीकाप्टर तथा छोटे विमान ही उतर सकते हैं। इसके विस्तार और रीवा एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो गयी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को बनारस से शाम 4 बजे वर्चुअली रीवा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके लिए रीवा में एयरपोर्ट परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया है। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद पटेल तथा सांसद श्री जनार्दन मिश्र शामिल होंगे। रीवा एयरपोर्ट के निर्माण से रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के विकास को नया आयाम मिलेगा।

रीवा की चोरहटा हवाई पट्टी का विस्तार करके रीवा एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। रीवा एयरपोर्ट का शिलान्यास 15 फरवरी 2023 को किया गया था। इसके निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण द्वारा लगभग डेढ़ साल के रिकार्ड समय में रीवा एयरपोर्ट का निर्माण का कार्य पूरा कर दिया गया है। एयरपोर्ट में रनवे का विस्तार करके इसे 2300 मीटर का बनाया गया है। साथ ही दोनों ओर 30-30 मीटर की बैकप लेंथ भी है। एयरपोर्ट में हवाई टर्मिनल बिल्डिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर तथा सुरक्षा के लिए बाउंड्रीबाल का निर्माण पूरा हो गया है। एयरपोर्ट में लोकार्पण के बाद 72 सीटर हवाई जहाजों का आवागमन शुरू हो जायेगा। हवाई सेवा शुरू हो जाने से रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, उपचार सुविधा तथा अन्य क्षेत्रों में विकास के नये अवसर मिलेंगे।

ज्ञान और विज्ञान का संगम है विज्ञान मेला-मंत्री श्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सरस्वती शिशु मंदिर ज्ञान तथा संस्कारों की पाठशाला है। यहां पर बच्चों को ज्ञान तो मिलता ही है साथ ही वह संस्कार भी मिलते हैं जिन संस्कारों के कारण हमारा भारत पूरे विश्व में जाना जाता है।

सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित विज्ञान मेला ज्ञान और विज्ञान का संगम है। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय पगारा जिला सागर में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय विज्ञान मेला में कही। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारे बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें एक मंच की आवश्यकता है। यह मंच विज्ञान मेला के रूप में उन्हें उपलब्ध हुआ है। इन बच्चों में कई बड़े वैज्ञानिक बैठे हुए हैं जो आगे चलकर अपने माता-पिता, क्षेत्र तथा देश का नाम पूरे विश्व में रोशन करेंगे। सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों में शिक्षा और संस्कार इस तरह के होते हैं कि वह जहां भी रहे उनकी अलग पहचान रहती है। मंत्री श्री राजपूत ने सरस्वती शिशु मंदिर को स्मार्ट क्लास की सौगात देते हुए कहा कि यह स्मार्ट क्लास आप सभी बच्चों के लिए है, जिसमें पढ़ाई करके आप अपने कौशल को और निखार सकते हैं। गौरतलब है कि विद्या भारती मध्य क्षेत्र द्वारा आयोजित विज्ञान मेले में महाकौशल, मध्य भारत, मालवा तथा छत्तीसगढ़ प्रांत की 326 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

म.प्र. टूरिज्म बोर्ड को मिला 'इनलेंड वॉटर टूरिज्म एक्सलेंस अवॉर्ड'

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय (इंग्लैंड बेस्ड) ट्रेवल मैगजीन %लक्स-लाइफ% द्वारा म.प्र. टूरिज्म बोर्ड को मरीन टूरिज्म अवॉर्ड में 'इनलेंड वॉटर टूरिज्म एक्सलेंस अवॉर्ड 2024' से सम्मानित किया है। मरीन टूरिज्म अवार्ड्स 2024 में पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव देने वाली दुनिया की सबसे उल्लेखनीय टूरिज्म अनुभव व्यवसायों की उपलब्धियों को सम्मानित किया है। मैगजीन द्वारा यह सम्मान म.प्र. को जल पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार करने, पर्यटन अनुभव बढ़ाने एवं राज्य की जल निकायों में अभिनव पर्यटन संरचनाओं को विकसित करने के लिये दिया गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग व प्रबंध संचालक, म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि यह सम्मान हमारे राज्य की प्राकृतिक संपदाओं और पर्यटन के क्षेत्र में किए गए नवाचारों का प्रतीक है। प्रदेश में जल आधारित पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और हमारे जल निकायों के संरक्षण और उनके सतत् विकास में विभाग निरंतर कार्यशील है। चारों तरफ जमीन से घिरा होने के बावजूद म.प्र. की विभिन्न जल निकायों में 37 गतिविधियों का संचालन अधिसूचित 22 जल निकायों में निजी हितधारकों के साथ मिलकर किया जा रहा है।

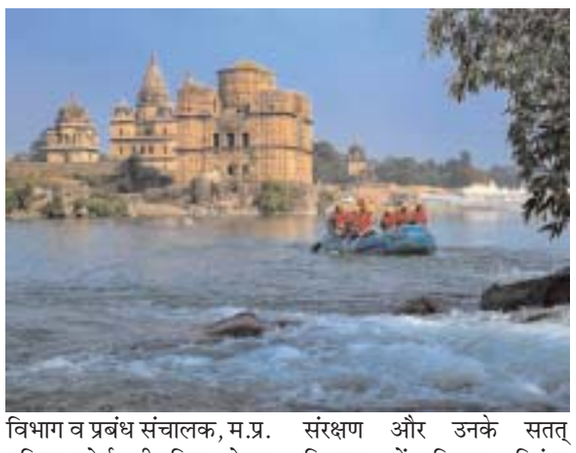

खालवा में 50 करोड़ रूपये से बनेगा सी.एम. राईज स्कूल-जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खंडवा जिले के खालवा में 50 करोड़ रुपए से सी.एम. राईज स्कूल बनाया जाएगा। इसमें 100 सीटर छात्रावास की व्यवस्था भी रहेगी। इसके अलावा खालवा में हॉकी खेल मैदान के लिए 4 करोड़ रुपए लागत से एस्ट्रो टर्फ बनाया जाएगा। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने शुक्रवार को क्रीड़ा परिसर खालवा में 68वीं शालेय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि 18.66 करोड़ रूपए लागत से यहां चेंजिंग रूम, प्रशासनिक भवन, बास्केटबॉल खेल मैदान भी बनाये जायेंगे। मंत्री डॉ. शाह ने खिलाड़ियों से कहा कि जीतना या हारना खेल का हिस्सा है। जीत या हार नहीं, बल्कि खेल में भाग लेना बड़ी बात है। सभी ने खेल भावना से अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि उसका सपना है कि 2036 में होने वाले ओलम्पिक खेलों में खालवा ब्लॉक का कम से कम एक जनजातीय खिलाड़ी अवश्य भाग ले। उन्होंने बताया कि सेल्दामाल गांव में ढ़ाई करोड़ रुपए से खेल परिसर बनाया जा रहा है, जिसमें प्रशासनिक भवन के साथ-साथ शूटिंग एवं तीन स्विमिंग पूल भी बनाये जायेंगे।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि भारत सरकार के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के मापदंडों के अनुसार कोच एवं पीटीआई की भर्ती भी यहां की जाएगी। इस खेल मैदान के बनने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधा खालवा के जनजातीय वर्ग सहित अन्य वर्गों के बच्चों को भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी पर लगभग 15 हजार रुपए महीना खर्च किया जाएगा। स्कूली खेल सेल्दामाल में आयोजित होंगे। क्रीड़ा परिसर खालवा की बाउंड्रीवाल, रंगाई-पुताई आदि कार्यों के लिए भी जरूरी राशि दी जायेगी। उन्होंने कहा कि गुलाई, सुंदरदेव, रोशनी, सेल्दामाल, चारखेड़ा, देवलीकलां एवं खालवा में लगभग 40 करोड़ रुपए लागत के सी.एम. राइज स्कूल एवं 10 करोड़ रुपए लागत के छात्रावास बनाए जाएंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि संभाग स्तर पर खेल परिसर बनाए जाएंगे, जिसमें खिलाड़ियों को खेलने के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 68 वीं शालेय राज्य स्तरीय अंडर-14 फुटबाल प्रतियोगिता जनजातीय कार्य विभाग खण्डवा द्वारा बालक क्रीड़ा परिसर खालवा में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों के बालक बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विशेष उपलधियाँ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विभाग में किये जा रहे कल्याणकारी कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश की शत-प्रतिशत पंचायतों में पंचायत भवन बनाये जायेंगे। पंचायत भवन विहीन 1400 ग्राम पंचायतों के लिये पंचायत भवनों की स्वीकृति प्रथम चरण में जारी की जा रही है। साथ ही स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिये सामुदायिक भवनों का निर्माण भी चरणबद्ध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना में श्रम सामग्री का अनुपात अभी तक जिला स्तर पर संधारित होता था। अब इसको जनपद स्तर पर संधारित किया जाएगा। 25 लाख तक के कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति जारी करने के अधिकार सरपंचों को दिए गए हैं। तकनीकी स्वीकृति के लिये सहायक यंत्री को अधिकृत किया गया है। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि सहायक यंत्री को तकनीकी स्वीकृति जारी करने के अधिकार की सीमा 15 लाख रूपये से बढ़कर 25 लाख की गई है। महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत कपिलधारा की इकाई लागत राशि तथा पेयजल के लिये बनाने वाले सामुदायिक कूप की लागत राशि में अंतर है। इसको युक्ति युक्त करने का अनुरोध किया गया है, इस पर विचार किया जाएगा। पंचायत राज ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 का दुरुपयोग सरपंच के विरुद्ध ना हो इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। सीएम हेल्पलाइन 181 पर झूठी शिकायत दर्ज कराने वाले तथा आदतन शिकायतकर्ता के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिये लोक सेवा प्रबंधन विभाग से संवाद हुआ है।

खेलों से सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास होता है - उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खेलों से सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास होता है। खेलों के आयोजन समाज में सौहार्द पूर्ण वातावरण का निर्माण करते हैं। खेल ही ऐसी विधा है जिसमें हारने वाला भी जीतने वाले को बधाई देता है और जीतने वाला हारने वाले को आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मार्तण्ड विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मशाल प्रज्जवलित कर एवं ध्वज आरोहित कर राज्य

स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सफलता का मूलमंत्र कड़ी मेहनत है। समय सीमा निश्चित कर विद्यार्थियों को पढाई करते हुए खेल विधाओं में भी भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी होता है। कबड्डी खेल हमारे देश में जमीन से जुड़ा खेल है जो गांव-गांव तक खेला जाता है। उन्होंने गांवों में तथा विद्यालयों में खेल मैदान होने की बात कही ताकि बच्चे व गांववासी वहां खेल विधाओं में भाग ले सकें। उन्होंने युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने की समझाइश दी तथा कहा कि जो व्यक्ति नशे के आदी हैं उनका नशा छुड़वाने के लिये रीवा में स्थापित नशामुक्ति संकल्प केन्द्र में पहुंचा ताकि उन्हें नशे से दूर किया जा सके। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि खेलों से हम संस्कारित, सुगठित होते हैं। खेल समाज में बुराई व आपसी मतभेद दूर करने में भी सहायक हैं। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में खेल की विभिन्न विधाओं में खिलाड़ी अपना परचम लहरा रहे हैं और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा रहे हैं। शासन की प्रतिबद्धता है कि खेलों के माध्यम से ही नैतिक मापदण्डों को ऊंचाईयों तक ले जाया जा सकेगा। उन्होंने रीवा को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजवानी मिलने पर बधाई दी तथा इसके सफल आयोजन के लिये शुभकामनाएँ दी।

इससे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि पांच दिवसीय राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कबड्डी प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे।

रबी के लिए किसानों को समय से मिलें उत्तम उर्वरक और बीज-एपीसी सुलेमान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रबी फसलों के लिए किसानों को समय से उत्तम उर्वरक और बीज मिलना सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश में सभी उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। डीएपी के समान ही एनपीके गुणवत्ता युक्त है। इसमें फसलों के लिए सभी आवश्यक पोषक तत्व हैं। किसान नरवाई ना जलाएं, सुपर सीडर का उपयोग करें। प्रदेश में कहीं भी खाद, बीज का अवैध भंडारण, कालाबाजारी अथवा अमानक विक्रय न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। समर्थन मूल्य पर सोयाबीन विक्रय के लिए किसानों को हर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जाए। एपीसी श्री मोहम्मद सुलेमान ने यह निर्देश आज नर्मदा

भवन में संपन्न भोपाल एवं नर्मदापुरम संभागों के लिए खरीफ-2024 की समीक्षा एवं रबी 2024- 25 की तैयारियों के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में दिए।

बैठक में कृषि, सहकारिता, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, उद्यानिकी आदि विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव मत्स्य पालन श्री डी.पी. आहूजा, प्रमुख सचिव उद्यानिकी श्री अनुपम राजन, सचिव कृषि श्री एम. सेलवेंद्रन, संभागायुक्त भोपाल श्री संजीव सिंह, संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री के.जी. तिवारी, संबंधित जिलों के कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। विभिन्न योजनाओं के सफल हितग्राहियों ने अपने अनुभव भी बैठक में साझा किए। एपीसी श्री सुलेमान ने कहा कि प्रदेश में सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन का कार्य जारी है। आगामी 25 अक्टूबर से सोयाबीन की खरीदी की जाएगी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। खरीदी केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। सोयाबीन खरीदी के लिए किसानों को टोकन दिए जाएं, जिससे उन्हें अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। किसानों की सुविधा के लिए आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त केंद्र एक-दो दिन में खोल दिए जाएंगे। खरीदी में शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों का प्रयोग किया जाए।

सीईओ जिला पंचायत ने रामपुरनैकिन में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक सुधार के दिए निर्देश

योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और अनियमितता पर होगी कठोर कार्यवाही- सीईओ जिला पंचायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज द्वारा शुक्रवार 18 अक्टूबर को सामुदायिक भवन रामपुर नैकिन के सभागार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, परियोजना अधिकारी मनरेगा एवं आवास, सहायक यंत्री मनरेगा, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, ब्लाक समन्वयक आवास एवं एस.बी.एम, पी.सी.ओ.,उपयंत्री तथा समस्त ग्राम पंचायतों के सचिव तथा ग्रा.रो. सहा. उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत माह अक्टूबर 2024 तक के लक्ष्य के विरुद्ध मानव दिवस सृजन, एसटी, एससी परिवारों तथा महिला श्रमिकों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने की समीक्षा करते हुए मानव दिवस सृजन के लक्ष्य के सापेक्ष न्यून प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई एवं लक्ष्य पूर्ति किये जाने हेतु कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। मनरेगा योजना से निर्माणाधीन गौशालाओं एवं अपूर्ण आंगनबाड़ी भवनों की समीक्षा के दौरान क्रियान्वयन ऐजेन्सी आर.ई.एस./ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 तथा उसके पूर्व के कार्यों की पूर्णता हेतु उपयंत्रियों एवं सचिव/ग्रामरोजगार सहायकों को समयावधि में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत प्रदत्त लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति, पी.एम. जनमन आवास पूर्णता एवं अपूर्ण आवास निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी ग्राम पंचायत भवनों की बाहरी दीवार पर ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभांवित हितग्राहियों एवं प्रतीक्षा सूची के हितग्राहियों के नामों को स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाये। साथ ही पंचायत समन्वयक अधिकारियों को उनके कलस्टर की ग्राम पंचायतों के लिए आवास योजना का नोडल अधिकारी बनाया जाये।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, एस.आर.एल.एम., तथा सम्बल योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारी कर्मचारियो को शासन की गाईड लाइन का पालन करते हुए समस्त योजनाओं में प्रगति करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही व अनियमितता नहीं करने के निर्देश दिये गये।

भरतपुर हैण्डलूम क्राफ्ट का किया निरीक्षण: समीक्षा बैठक के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत भरतपुर में म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित हैन्डलूम क्राफ्ट का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा प्रभारी अधिकारी से संचालित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई।

निर्माण कार्यो का किया अवलोकन: समीक्षा बैठक के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत कपुरी कोठार में मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के अभिसरण से निर्मित तालाब निर्माण कार्य का एवं अन्य कार्यों का अवलोकन किया गया। इसके साथ ही चंदरेह स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर में दर्शन उपरांत सामुदायिक स्वच्छता परिसर चंदरेह का निरीक्षण किया गया, स्वच्छता परिसर में साफ सफाई तथा पानी की समुचित व्यवस्था न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ग्राम पंचायत चंदरेह के सचिव/ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये जाने के निर्देश दिये गये। इसके पश्चात ग्राम पंचायत झगरी के कनकटी ग्राम में मनरेगा योजना से निर्माणाधीन तालाब, गौशाला एवं पंद्रहवां वित्त से निर्मित चबूतरा निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। गौशाला निर्माण कार्य में कमियां पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण एजेन्सी आर.ई.एस. के उपयंत्री को आवश्यक सुधार किये जाने के निर्देश दिये गये।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में दो दिवसीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं को कला मंच प्रदान करने के उद्देश्य से युवा उत्सव का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आई.पी.प्रजापति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से कहा कि ष्युवा उत्सव छात्रों को अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत करने का बेहतर मंच होता है जहाँ पर उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है।

युवा उत्सव के दो दिवसीय आयोजन के सम्बंध में संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन में रूपांकन, साहित्यिक, सांस्कृतिक ओर सांगीतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्पॉट पेंटिंग, पोस्टर, परिचर्चा, रंगोली, क्ले मॉडलिंग, वाद-विवाद, एकल/रुसमूह नृत्य, एकल/समूह गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। दो दिवसीय आयोजन में आभार प्रदर्शन डॉ निशा सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ सौरभी गुप्ता, डॉ संध्या वर्मा, डॉ ज्योति रजक, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ अमिता खरे, दीपराज प्रजापति, प्रवीण साकेत, डॉ राजेश पटेल, डॉ कमलेश जायसवाल, डॉ अनुराग तिवारी, डॉ पंकज मिश्रा, डॉ सुरेंद्र गुप्ता, डॉ लक्ष्मीकांत कुशवाहा, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में बनी विजेता

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ''प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस'' संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में जिला स्तरीय पुरुष टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18-10-2024 को किया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की सीख देते हुए खेल को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की बात कही। प्राचार्य ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है इसलिए शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल आज के जीवन शैली में बहुत ही आवश्यक है।

प्रतियोगिता में शासकीय पीजी कॉलेज बैढ़न एवं शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। दोनों टीमों के मैच एक दूसरे के बीच खेले गए जिसमें सीधी की टीम तीनों मैच जीतकर विजेता बनी। संजय गांधी महाविद्यालय से अंबुज प्रताप सिंह, अतुल तिवारी, प्रशांत तिवारी, चंद्रकांत सिंह का चयन संभाग स्तरीय पुरुष टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए हुआ है जिसका आयोजन रीवा में होगा।

इस प्रतियोगिता में आई टीमों के साथ उनके कोच मैनेजर तथा संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय से डॉ प्रभाकर सिंह, डॉ रावेंद्र बहादुर सिंह, डॉ हरिचरण अहिरवार, सहायक प्राध्यापक कुसमी एवं रेफ्री आदित्य पटेल उपस्थित रहे। संपूर्ण प्रतियोगिता संजय गांधी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ रविंद्र नाथ सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। उन्होंने ही इस प्रतियोगिता का सफल संचालन किया।

नदी में डूबने से एक बच्चे की मौत

सीधी के ग्राम खुटेली में हादसा, चार दोस्त गए थे नहाने

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी के ग्राम खुटेली में शनिवार सुबह गोपद नदी में नहाने गए चार बच्चों में से एक की मौत हो गई। नहाते समय 13 वर्षीय सौरव पांडे गहरे पानी में चला गया था। जहां सांस भर जाने से वो डूब गया।

ग्रामवासियों ने नदी से निकाला शव: ग्रामवासी रामलाल विश्वकर्मा ने बताया शनिवार सुबह चार दोस्त सौरव पांडे, सोनू, सफीक मोहम्मद और रफीक मोहम्मद गोपद नदी में नहाने गए थे। चारों तैरते-तैरते गहरे पानी में पहुंच गए। तीन दोस्त तो वापस आ गए पर सौरव थकान के कारण वहीं डूबने लगा। जिसे देख कर तीनों ने गांव वालों को बुलाया पर तब तक सौरव डूब चुका था। जिसके बाद ग्रामवासियों ने उसका शव निकाल पोस्टमॉर्टम के लिए बहरी अस्पताल भेजा।

पुलिस ने शुरू की जांच: वहीं बहरी थाना प्रभारी राकेश बैस का कहना है कि 13 वर्षीय बच्चे की गोपद नदी में डूबने से मौत हो गई है। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

मैहर जिले के एसडीएम ने मां शारदा धाम का बनाया गान, पूरे प्रदेश में उनकी और उनके गान की हो रही चर्चा

मीडिया ऑडीटर, मैहर निप्र। मध्य प्रदेश गान की तर्ज पर मैहर में पदस्थ एसडीएम ने मैहर गान की रचना कर डाली. एसडीएम ने न केवल गान की रचना की, बल्कि कलेक्टर को गाकर भी सुनाया. मैहर गान में मां शारदा धाम मैहर जिले में समाहित ऐतिहासिक धरोहरों और प्राचीन स्थलों को भी शामिल किया गया है. मैहर गान को सुनकर अब हर कोई उनकी सराहना कर रहा है.

क्यों खास है मां शारदा गान: आरती यादव मैहर जिले के अमरपाटन में एसडीएम पद पर पदस्थ हैं. उन्होंने एक रचना की जिसको उन्होंने मां शरदा को समर्पित किया है. मैहर गान हृदय के अनंत गहराइयों से शारदा माता के प्रति श्रद्धा भाव अर्पित करती यह रचना अपने अंतर्मन में जिले भर के प्रसिद्ध स्थलों के दर्शन कराती है. महर्षि मार्कण्डेय के तपोस्थली में बने आश्रम से मिलने वाली शांति आत्मा से परमात्मा का मिलन कराती है और उससे लगे बाणसागर बांध से मिलने वाली बिजली और पानी से अन्य प्रदेशों को शीतलता का अहसास कराने का जिक्र रचना में किया गया है.

हर कोई कर रहा गीत की तारीफ: अमरपाटन अनुभाग मजिस्ट्रेट ने अपने कार्यालयीन दायित्वों के साथ-साथ अपनी कलम से मां शारदा की भक्ति की अनूठी मिसाल पेश की है. वाणी और अंतरात्मा को माता शारदा के श्री चरणों में समर्पित किया है. जिले की मुखिया रानी बाटड ने भी मैहर के गौरव दिवस पर अंतराष्ट्रीय स्तर पर मैहर का नाम रोशन कर बेटियों का मान बढ़ाया है. मैहर जिले में पदस्थ महिला अधिकारियों ने कार्यालय की सीमाओं से परे अपने मन, कर्म और वाणी से मैहर को अपनी कर्मस्थली माना है.

पुलिस ने निकाली हेलमेट बाइक रैली

सड़क सुरक्षा को लेकर किया जागरूक, नगर के कई स्थलों पर दिखाए वीडियो क्लिप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। पुलिस अधीक्षक जिला सिंगरौली निवेदिता गुप्ता (भापुसे) के कुशल मार्गदर्शन और शिव कुमार वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली के पर्यवेक्षण में सिंगरौली पुलिस ने हेलमेट बाइक रैली का आयोजन किया।

शनिवार शाम 4 बजे पुलिस सिंगरौली ने हेलमेट बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें हेलमेट बाइक रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर महाजन मोड़, रिलायंस तिराहा, कॉलेज तिराहा, पुराना यातायात तिराहा, मस्जिद तिराहा से होते हुए इंदिरा चौक होते हुए समाप्त हुई। इस रैली में जिले के समस्त थानों के पुलिस बल शामिल हुआ।

साथ ही यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात जागरूकता के तहत मारुति वैन से शहर के विभिन्न चौराहे में जागरूकता के वीडियो क्लिप दिखाए गए और आमजन को जागरूक किया गया। सिंगरौली पुलिस ने हेलमेट बाइक रैली निकालकर आम जनमानस को हेलमेट लगाने से होने वाली सुरक्षा से अवगत कराया।

लोगों से की अपील: साथ ही सभी नागरिकों से अपील की गई कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाएं, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, तेज गति से वाहन ना चलाएं शराब पीकर वाहन ना चलाएं आदि के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य बाइक रैली का आयोजन किया गया था।

कोल माइंस में ब्लास्ट, पत्थर लगने से मजदूर की मौत

मृतक के परिजनों को 31 लाख रुपए और कंपनी में नौकरी का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले के रामनगर थाना अंतर्गत राजनगर ओपन कास्ट कोयला खदान में ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर लगने से 26 साल के युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजनगर निवासी अजय कोल के रूप में हुई है। वह खदान में ठेकेदार के अंडर में काम कर रहा था। घटना के बाद परिजनों और क्षेत्रीय लोगों ने कोलरी परिसर का घेराव कर दिया।

एसडीओपी सुमित केरकेट्टा ने बताया कि शनिवार दोपहर रामनगर ओपन कास्ट में ब्लास्टिंग की गई थी। इस दौरान खदान के अंदर बोलेरो वाहन में चार व्यक्ति बैठे हुए थे।

एक बड़ा आकार का पत्थर बोलेरो वाहन के ऊपर गिरा, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और अजय कोल पत्थर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई, वहीं तीन अन्य व्यक्ति को चोट आई है। उन्होंने बताया कि परिजनों ने कोलरी परिषद का घेराव किया था।

घेराव में वर्कमैन एक्ट के तहत परिजनों को 16 लाख रुपए और माइनिंग से जुड़े एक अधिनियम के तहत 15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा अजय कोल को ठेकेदार कंपनी की तरफ से इंश्योरेंस क्लेम का पैसा और नौकरी भी देने का आश्वासन दिया गया है। परिजनों और कोलरी प्रबंधक के बीच सहमति बन चुकी है। घटना की विस्तृत जांच डीजीएमएस करेंगे।

पिपरिया बांध के बैकवॉटर में 2 युवक डूबे

जिस जाल से मछली पकड़ने गए थे, उसमें ही फंसकर हुई मौत

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। पिपरिया बांध के बैकवॉटर में दो युवक जिस जाल से मछली पकड़ने गए थे, उसी में फंसकर डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना अनूपपुर के कोतमा में 18 अक्टूबर की है। शनिवार को स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स यानी एसडीईआरएफ की टीम ने दोनों के शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है।

मृतकों की पहचान जोगीटोला में रहने वाले 25 वर्षीय तुलसी केवट और 23 वर्षीय कृष्णपाल गौंड़ के रूप में हुई है। दोनों ने बांध से जुड़े निकासी टनल के पास जाल बिछा रखा था। शाम को जब दोनों घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने ढूंढ़ना शुरू किया। बांध के टनल के किनारे इनके कपड़े और मोबाइल मिले, जिसके बाद डायल 100 को सूचना दी गई।

एसडीईआरएफ की टीम ने निकाले शव: एसडीओपी सुमित केरकेट्टा ने बताया कि शुक्रवार रात कोतमा पुलिस घटना स्थल पहुंची और शहडोल की एसडीईआरएफ टीम को सूचना दी। देर रात तक टीम ने युवकों की तलाश की, पर कहीं पता नहीं चला। शनिवार सुबह फिर से दोनों की तलाश शुरू हुई तो इनके शव जाल में फंसे मिले। घटना स्थल पर पहुंचे कोतमा तहसीलदार ईश्वर प्रधान, थाना प्रभारी सुंदरेश मरावी की मौजूदगी में शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

28 सूत्रीय मांगों को लेकर सरपंच संघ पहुंचा कलेक्ट्रेट

सीधी में राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, 8 बिंदुओं को लेकर रखी मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले में शनिवार को सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष गणेश सिंह के नेतृत्व में करीब 50 सरपंचों ने अपनी 28 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट मुख्यालय पहुंचे। जहां महामहिम राष्ट्रपति के नाम गोपदबनास तहसीलदार जाह्नवी शुक्ला को मांग पत्र सौंपा है। ज्ञापन में सरपंच संघ ने 8 बिंदुओं को लेकर मांग रखी।

तहसीलदार को इन बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा गया:-

1- मनरेगा को मूल रूप मे लाये जाने के लिये केंद्र सरकार से सहयोग की आवश्यकता है जिससे अधो-संरचना के छोटे मोटे काम स्वतंत्र रूप से कर सकें।

2- मजदूरों को तत्काल मजदूरी भुगतान उपलब्ध करा सकें, फसल शेड, पशु शेड, मुर्गी शेड, बकरी शेड और सुअर पालन शेड को मनरेगा से जोड़कर निर्माण काम कराए जाएं। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके।

3- ग्राम पंचायत विकास निधि गठित कर सरपंच निधि बनाई जाए।

4- सरपंच उपसरपंचों का 20 लाख का जीवन बीमा और न्यूनतम पेंशन 2 हजार किया जाए।

5- पंचायतो के अधिकतम कार्य की सीमा 20 को हटाया जाए।

6- प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास जरूरतमंद को ग्राम सभा के अनुमोदन पर दिया जाए।

7- सरपंचों का मानदेय 20 हजार प्रतिमाह दिया जाए।

8. जेम पोर्टल को बंद कर पूर्व की व्यवस्था को दोबारा शुरू किया जाय।

मांग पत्र सौंपने के दौरान सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष गणेश सिंह चौहान के अलावा सरपंच पडरी निर्मला श्याम सुंदर सिंह, पड़ैनिया सरपंच अश्विनी सिंह परिहार, सरपंच पडखुरी रामसिया यादव, खाम्ह शोभा राघवेंद्र यादव, कोचिला शिवदास साकेत, मवई सजन सिंह बघेल, विशुनी टोला पंकज सिंह, कुकड़ीझर बृजेन्द्र साकेत, कठास रामदास कोल सहित अन्य सरपंच उपस्थित रहे।

पटाखों के अवैध स्टोरेज पर प्रशासन की छापामार कार्रवाई

2 लाख से ज्यादा के पटाखे जब्त, दीपावली के लिए रिहायशी इलाके में रखे गए थे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। जिला प्रशासन ने शनिवार शाम चार बजे पटाखों के अवैध स्टोरेज पर छापेमारी की। प्रशासन को रिहायशी इलाके में पटाखों का भंडार होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के मुताबिक छत्रसाल नगर में आदित्य निगम के मकान में दीपावली के त्योहार को लेकर अवैध तरीके से पटाखे का भंडारण किया गया था। जहां प्रशासन ने छापेमार कार्रवाई करते हुए आदित्य निगम के मकान से 2 लाख से अधिक के पटाखे जब्त किए हैं।

विचार

कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम है देश में आतंकवाद

सुरक्षा बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरु हुई। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल की बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर में हो या फिर नक्सलियों का हो कांग्रेस ने कभी भी केंद्र की मोदी सरकार की तरह सख्ती नहीं दिखाई। इसके विपरीत कांग्रेस का रवैया वोट बैंक की राजनीति के कारण आतंक समर्थकों के प्रति सहानुभूति का रहा है। लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीतियों के साथ ही राजनीतिक फायदे के लिए की गई आतंकवाद की अवहेलना की कीमत कांग्रेस ने भी चुकाई है। 25 मई 2013 को, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नक्सली विद्रोहियों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दरभा घाटी के झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र कर्मा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल की मौत हो गई। कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में शासन के दौरान ही तीनों तरह का आतंक पनपा है। इसमें चंबल में डकैतों का काफी हद तक सफाया हो गया। जम्मू-कश्मीर में पाक परस्त और देश के कुछ राज्यों में नक्सली आतंक अब तेजी सीमिट रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार दोनों तरह के आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि 2026 नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि 30 साल के बाद पहली बार वामपंथी उग्रवाद से मरने वाले लोगों की संख्या 100 से कम रही है। हिंसा की घटनाओं में करीब 53 फीसद की कमी आई है। नक्सली हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 96 की जगह 42 जिले तक सीमित रह गई हैं। इन 42 जिलों में से 21 जिले नए बने हैं। इनमें से करीब 16 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। देश की सुरक्षा से संबंधित कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम सिर्फ देश की आम अवाम को नहीं बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने के लिए न सिर्फ करोड़ों रुपए बहाने पड़ रह हैं, बल्कि पुलिस और सुरक्षा बलों को काफी मानवीय क्षति उठानी पड़ी है।

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश

ललित गर्ग

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय प्रणाली की अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करते हुए अब न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। इसके साथ ही मूर्ति की हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। यह कानून को सर्वद्रष्टा एवं भारतीयता का रंग देने की एक सार्थक एवं समयोचित पहल है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है और वह संविधान के आधार पर काम करता है। इस सराहनीय कदम के बावजूद एक बड़ा सवाल है कि या मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा देने का असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़ेगा?

भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। लेकिन यह स्थिति कब बनेगी? क्या न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन करने से न्याय प्रक्रिया में कुछ बदलाव हो सकेगा? खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। माथे पर बिंदी, कान और गले में पारंपरिक आभूषण भी नजर आ रहे हैं। जो प्रतीकात्मकता में बदलाव का संकेत है और भारत में न्याय की उभरती भावना को दर्शाता है। लेकिन नई प्रतिमा जिन मूल्यों एवं मानकों की ओर इशारा कर रही है, क्या उसे समझने एवं देखने की हमारी तैयारी है? अगर इस प्रतीकात्मक बदलाव के मूल उद्देश्य को हम नहीं समझ पायेंगे तो यह बदलाव भी अर्थहीन ही होगा। निश्चित ही प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है, न्याय के समक्ष सब बराबर हैं और कानून अब अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है।

यह सर्वविदित एवं लोगों में आम धारणा है कि थाना-पुलिस और कोर्ट-कचहरी का चक्कर लगा-लगा कर आम आदमी की जिंदगी तबाह हो रही है, तब मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाकर भला क्या सुधर जाना है? न्याय की देवी को सच में आंखें देनी हैं तो कानून में आमूल-चूल परिवर्तन, त्वरिता, समयबद्धता एवं समानता की जरूरत होगी। यह तो चीफ जस्टिस भी जानते हैं। आखिर किसे नहीं पता कि इस देश में सड़क से लेकर अदालत तक, हर जगह कानून की धज्जियां उड़ती हैं और न्याय की देवी यूं ही स्टैच्यू बनी रहती हैं। कोई हरकत नहीं, बिल्कुल संवेदनहीन। सड़कों पर कानून तमाशबीन बनकर खड़ा है, थाने में वह उगाही और उत्पीड़न का अस्त्र बना है तो अदालतों में दलीलों और तारीखों की बेइंतहा ऊबाऊ प्रक्रिया का जटिल हिस्सा है, जिसकी जकड़न में गए तो खैर नहीं। अब तक अंधे कानून की त्रासदी न्याय की देवी देख नहीं पाती थीं, अब वो खुली आंखों से सब देखेंगी। कम-से-कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि देख पाने के कारण न्याय की देवी की मूर्ति में भी संवेदना जग जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वाकई अच्छी पहल की है, उसका स्वागत होना चाहिए।

1983 को एक फिल्म अंधा कानून रिलीज हुई थी। इस फिल्म एवं इसके गाने में कोर्ट-कचहरी, वकील-दलील, सुनवाई-फैसले के हालात को शब्द दिए गये हैं। कहा गया कि अस्मतें लुटीं, चली गोली, इसने आंख नहीं खोली। फिर गीत कहता हैं- लंबे इसके हाथ सही, ताकत इसके साथ सही। पर ये देख नहीं सकता, ये बिन देखे है लिखता। इस तरह फिल्म कानून को अंधा बताती है। स्थिति यह है कि आज भी न्यायालयों में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। लेकिन उस समय की मूर्ति की मूल भावना कहां और कितनी प्रभावी रही है, यह सर्वविदित है। अब नयी संशोधित प्रतिमा का संदेश है कि देश में न्याय अंधा नहीं है, वह इस बात पर जोर देती है कि भारत में न्याय दूरदर्शिता और समानता के साथ काम करता है। जो संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक है-यह दर्शाता है कि न्यायालय किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों से तथ्यों और तर्कों को तौलता है। इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है।

न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी हैं। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 17वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया। यह बदलाव औपनिवेशिक शासन के अवशेषों को हटाने के अन्य प्रयासों को दर्शाता है, भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। जैसे कि हाल ही में आपराधिक कानूनों में बदलाव, भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को लागू करना है।

यहां नई मूर्ति के नए संकेतों का अर्थ गहराई से समझना भी जरूरी है। न्याय समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करें, न्यायिक संचालन-प्रक्रिया सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप चले। सबको समान रूप से देखें। हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाये। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? जब तक इन सवालों के उचित जवाब हम नहीं खोज लेते हैं, तब तक न्याय की देवी के प्रतीक-चिह्नों की सार्थकता कठघरे में खड़ी की जाती रहेगी। असल में, प्रतीक-चिह्न एक पहचान के रूप में काम करते हैं। इन प्रतीक-चिह्नों से जो प्रतीकात्मक अर्थ निकल रहा है, वह हर हाल में साकार हो। भारतीय अदालतें इस मामले में उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी हैं। लिहाजा, इन संकेतों के सार्थक होने के लिए हमें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। न्याय में देर करना अन्याय है। भारत की न्यायप्रणाली इस मायने में अन्यायपूर्ण कही जा सकती है, क्योंकि भारत की जेलों में 76 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं, जिनका अपराध अभी तय नहीं हुआ है और वे दो दशक से अधिक समय से जेलों में नारकीय जीवन जीते हुए न्याय होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए न्यायप्रणाली की धीमी रफ्तार को गति देकर ही ऐसे विचाराधीन कैदियों के साथ न्याय देना संभव है और इसी से सशक्त भारत का निर्माण होगा और प्रतीकात्मक प्रतीक चिह्नों में बदलाव का कोई सार्थक उपयोग एवं असर होगा। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है।

देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखत: राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं।

यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना।

दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सैंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आंरभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सैंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं। हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है।

इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की। ऐसा होने पर ही सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा।

3 किग्री सस्ता सोने की लालच में 5 लाख की ठगी

असली लॉकेट दिखाकर थमाया नकली सोना, ठग बोले थे- खुदाई में मिली

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक व्यापारी सस्ता सोना पाने की लालच में आकर 5 लाख रुपए ठगी का शिकार हो गया। महिला सहित 3 लोगों ने उसे असली सोने का लॉकेट दिखाया, जिसके बाद 3 किलो नकली सोना थमा दिया। ठग 30 लाख मांग रहे थे, लेकिन सौदा 5 लाख में तय हुआ। बुजुर्ग ने अपने खुफिया कैमरे से ठगों की तस्वीरें भी ली है। बताया जा रहा है कि व्यापारी को जब ठगी का एहसास हुआ तो वह 3 किलो नकली सोना लेकर तोरवा थाना पहुंचा। यहां पुलिस ने एफआईआर लिखने के लिए बुजुर्ग को 3 घंटे तक थाने में बैठाया फिर, कहा यहां एफआईआर दर्ज नहीं होगी।

व्यापारी को सोने का लॉकेट दिखकर झांसे में लिया: दरअसल, उमाशंकर साहू सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सरसीवां का रहने वाला है, जहां वह इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान चलाता है। उसने बताया कि कुछ दिन पहले उसके पास 2 लोग पहुंचे। उन्होंने व्यापारी को सोने का लॉकेट दिखाया। इसी तरह से 3 किलो वजनी सोना होने का दावा किया। उन्हें सस्ती कीमत में बेचने का दावा किया। शुरुआत में व्यापारी ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद उन्हें बार-बार कॉल किया गया।

5 लाख रुपए लेकर थमाया 3 किलो नकली सोना: उमाशंकर साहू ने बताया कि फोन करने वाले ने उन्हें तोरवा रेलवे स्टेशन के पास बुलाया, जिसके बाद वह अपनी कार से ड्राइवर के साथ उनकी तलाश करते हुए बिलासपुर पहुंच गया। रेलवे स्टेशन के पास अंडर ब्रिज के नीचे महिला समेत तीन लोग मिले। उन्होंने सैंपल जैसे 3 किलो वजनी सोना होने का दावा किया और 5 लाख रुपए लेकर चले गए।

30 लाख मांग रहे थे, 5 लाख रुपए में किया सौदा: व्यापारी उमाशंकर ने बताया कि ठगों ने उसे बताया था कि वह रोजी-मजदूरी करते हैं। काम करते समय उन्हें रोड की खुदाई के दौरान सोने के लॉकेट की गठरी मिली थी। वह सोने को बाजार में बेच नहीं सकते। बेचने पर पुलिस के पकड़े जाने का डर था। इसलिए वह इसे कम कीमत पर खपाना चाहते हैं। पहले उन्होंने 30 लाख की मांग की। बाद में उन्होंने 5 लाख रुपए में सौदा तय किया।

जांच कराई तो नकली निकला सोना: ठगों को पांच लाख रुपए देने के बाद व्यापारी सोना लेकर वहां से निकल गया, जिसके बाद उन्होंने सोने की जांच कराई तो नकली निकला। तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। व्यापारी उमाशंकर साहू अपने साथ खुफिया कैमरा लेकर पहुंचा था।

खुफिया कैमरे में ठग हुए कैद: उसने बताया कि वो कैमरा हमेशा अपने साथ रखता है, जिसमें वो हर गतिविधियों को रिकार्ड करता है। सोना खरीदते समय भी उसने अपने खुफिया कैमरे से ठगों का वीडियो रिकार्डिंग किया है। उसने ठगों का फोटो निकाल कर पुलिस को सौंपा है।

3 घंटे तक बैठाए रही पुलिस, फिर बोली यहां नहीं हो सकती एफआईआर: तोरवा थाने में उमाशंकर साहू तीन घंटे से ज्यादा समय तक शिकायत लेकर बैठे रहे। पुलिसकर्मी अलग-अलग बातचीत कर उनसे पूछताछ करते रहे, जिसके बाद उन्हें थानेदार के आने के बाद एफआईआर दर्ज करने की बात कही। जब थाना प्रभारी राहुल तिवारी देर रात थाना पहुंचे, तब उन्होंने भी शिकायत सुनी और कहा कि मामला उनके थाना क्षेत्र का नहीं है। उन्हें सरसीवां थाने में एफआईआर दर्ज करानी होगी।

एसपी के निर्देश पर दर्ज हुई एफआईआर: एसपी रजनेश सिंह ने ठगी के इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि घटना चाहे किसी भी थाना क्षेत्र में हुई है। अगर पीड़ित शिकायत करने पहुंचा है और सबूत पेश कर रहा है तो तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

उन्होंने टीआई राहुल तिवारी से पूछताछ कर घटना की पूरी जानकारी ली, जिसके बाद मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर डायरी संबंधित थाने में भेजने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर तोरवा पुलिस ने शून्य पर केस दर्ज किया है।

लड़की की हत्यारे के खिलाफ भड़का आक्रोश

आरोपी को फांसी देने परिजन के साथ लोगों ने किया प्रदर्शन, मां बोली- घर में भी सुरक्षित नहीं बेटियां

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। बिलासपुर में नाबालिग लड़की की हत्यारे के खिलाफ परिजन के साथ ही लोगों का आक्रोश भड़क गया और उसके घर के सामने नारेबाजी कर जमकर हल्ला बोला।इस दौरान उन्होंने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की। वहीं, लड़की की मां ने कहा कि गरीब लोगों की बेटियां घर में भी सुरक्षित नहीं है।

इधर, सरकंडा पुलिस का दावा है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ विधिवत साक्ष्य जुटा कर कोर्ट में चालान पेश किया जाएगा। साथ ही कोशिश होगी कि आरोपी को फांसी की सजा मिले।

दरअसल, सरकंडा के चांटीडीह में नाबालिग लड़की की शुक्रवार की सुबह सागर साहू नाम के युवक ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। यह वारदात उस समय हुई जब लड़की के माता-पिता काम करने के लिए घर से बाहर थे। हत्या के इस वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी सागर साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क पर उतरे लोग, आरोपी को सजा देने की मांग: इस घटना के बाद से मोहल्ले के लोगों में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जमकर आक्रोश है। नाराज लोगों ने शनिवार को रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपी के घर के सामने जमकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान उन्होंने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की। वहीं लड़की की मां ने कहा कि अब बेटियां घर में भी सुरक्षित नहीं है। बच्चों को घर में छोड़ कर जाना भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की। उनका कहना था कि जिस तरह उसने उसके घर को उजाड़ दिया है। वैसे ही उस राक्षस को भी सजा मिलनी चाहिए।

शराब पार्टी के दौरान युवक से लूट

भिलाई एजेंसी। दुर्ग पुलिस ने लूट के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों ने शराब पार्टी के दौरान अकेले जा रहे स्कूटी सवार को रोका। इसके बाद मारपीट करके उसकी स्कूटी, चेन और मोबाइल फोन लूट लिया। सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि मामला बीते 16 अक्टूबर का है। माडल टाउन इंदिरा नगर थाना सुपेला निवासी प्रमोद साहू (27 साल) ने लूट का अपराध स्मृति नगर चौकी में दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की पड़ताल शुरू की थी।

लूट की वारदात को अंजाम दिया: पुलिस ने जांच के दौरान मुखबिर से सूचना पाई की डेरा बस्ती फरीद नगर सुपेला थाना के रहने वाले प्रकाश धुर्वे (37 साल), पीन्दु नेताम (19 साल) और नीलकंठ धुर्वे (26 साल) ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

पेट्रोलिंग-पार्टी ने 15 दिन में ढाई लाख का फाइन काटा

खुले में कचरा फेंकने वालों पर एक्शन, स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर तैयारियां

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। न्यायधानी बिलासपुर को साफ सुथरा रखने के लिए नगर निगम ने खुले में कचरा फेंकने वालों की निगरानी और फाइन काटने के लिए पहली बार पेट्रोलिंग टीम तैयार की है। इस टीम ने 15 दिन में 2 लाख 43 हजार रुपए फाइन काटा है। निगम प्रशासन की कोशिश स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार बिगड़ती रैंकिंग को सुधारने की है। नगर निगम के हेल्थ ऑफिसर अनुपम तिवारी ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए जांच टीम कभी भी पहुंच सकती है, इस हिसाब से शहर को स्वच्छ रखने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ठेके और नगर निगम के स्वच्छता विभाग के अंतर्गत डेढ़ हजार से अधिक कर्मचारी वार्डों को साफ सुथरा रखने के लिए जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि स्वच्छता कार्यों पर प्रति माह 4 करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं।

4 करोड़ महीना खर्च करने के बावजूद लगातार गिर रही रैंकिंग: 137 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैले बिलासपुर नगर निगम एरिया की सफाई के लिए हर महीने 4 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जा रही है। इसके बावजूद निगम की स्वच्छता रैंकिंग उच्च पायदान पर पहुंचने के बजाय लगातार गिर रही है। आलम यह है कि अपेक्षाकृत छोटा शहर अंबिकापुर हर साल टॉप 10 में बेहतर रैंकिंग हासिल कर रहा है। निगम की रैंकिंग इस प्रकार रही है

पहले समझाएंगे, न माने तो फाइन: स्वच्छता पेट्रोल में एक बोलेरो वाहन और दो स्कूटी के साथ 10 लोगों की टीम शामिल की गई है। स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक करने और गंदगी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर निगम द्वारा स्वच्छता पेट्रोल शुरुआत 2 अक्टूबर से की गई है। टीम पूरे शहर का भ्रमण कर गंदगी करने वालों को समझाने के साथ ही जुर्माने की भी कार्रवाई कर रही है।

पेट्रोलिंग टीम में ई स्कूटी शामिल: नगर निमग कमिश्नर अमित कुमार की मौजदूगी में शुक्रवार को दो ई स्कूटी पेट्रोलिंग टीम में शामिल की गई, जिसे उन्होंने रवाना किया। पेट्रोलिंग टीम दिन के अलावा रात में भी गश्त करेगी। टीम को पूरे समय एक्टिव रखने के लिहाज से दो शिफ्ट में 5-5 लोगों की ड्यूटी लगाई गई है।

सड़क पर कचरा फेंकने वालों की खैर नहीं: सड़क पर और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, निर्माण सामग्री डंप करने वालों पर पेट्रोलिंग टीम सतत रूप से निगाह रखे हुए है। 2 अक्टूबर से अब तक सार्वजनिक स्थान पर कचरा, मलबा डंप करने वालों के विरुद्ध 2 लाख 43 हजार रूपए का जुर्माना किया जा चुका है।

जोन कमिश्नरों को जिम्मा: नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने सभी जोन कमिश्नरों को गंदगी फैलाने और निर्माण सामग्री सड़क पर डंप करने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई करने कहा है। निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि कोई भी निर्माण सामग्री सड़क पर डंप न करें। सड़क पर डंप करने से यातायात और हादसे की आशंका हमेशा बनी रहती है, साथ ही गंदगी भी होती है । नागरिकों से कहा गया है कि कचरा कलेक्शन गाड़ियों को दें और शहर स्वच्छ रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड को डुबाकर मार डाला

शादी के लिए दबाव बना रही थी, कुएं में धकेला, डेढ़ साल से था अफेयर

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर निप्र। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड को पानी में डुबाकर मार डाला। बताया जा रहा है कि युवती प्रेमी पर शादी के लिए दबाव डाल रही थी, जिससे नाराज होकर प्रेमी ने कुएं में धकेल दिया। मामला विश्रामपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को कलश यात्रा में शामिल होने 19 साल की पूजा सिंह अपने रिश्तेदार उर्मिला के साथ ग्राम पंचायत रामनगर अडरापारा पहुंची थी। शाम करीब 5 बजे पूजा सिंह के प्रेमी धौरापारा निवासी महेंद्र सिंह (20 साल) ने उसे फोन कर अपने घर बुलाया।

घर में की मारपीट, रात को कुएं में धकेला: पूजा सिंह जब अपनी रिश्तेदार उर्मिला के साथ प्रेमी के घर पहुंची तो महेंद्र सिंह ने उससे मारपीट की। इसके बाद पूजा और उर्मिला को बाइक पर बैठाकर उसके घर ले जाकर पहुंचा दिया। रात करीब 8 बजे प्रेमी महेंद्र सिंह फिर से पूजा सिंह के घर पहुंचा। उसे घर से बाहर बुलाकर फिर से मारपीट की।

इस दौरान वहां महेंद्र के पिता सूबे सिंह और भाई सत्येंद्र सिंह भी मौजूद थे। मारपीट के बाद प्रेमी महेंद्र सिंह, उसके पिता और भाई ने मिलकर पूजा को कुएं में धकेल दिया। रात करीब 8 बजे जब पूजा के पिता रामजलिंधर घर लौटे तो उन्हें पूजा की मां मानकुंवर ने रोते हुए घटना की जानकारी दी।

प्रेमी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार: कुएं में डूबने से पूजा सिंह की मौत हो गई। मामले की सूचना देर रात पुलिस को दी गई। शुक्रवार को एएसपी सूरजपुर संतोष महतो की मौजूदगी में पुलिस ने पूजा सिंह के शव को निकलवाया और पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

एएसपी संतोष महतो ने बताया कि युवक और युवती के बीच करीब डेढ़ साल से प्रेम संबंध था। मामले में आरोपी प्रेमी समेत उसके पिता और भाई को पुलिस ने हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मृतका और उसके प्रेमी का मोबाइल जब्त किया है। मामले की जांच की जा रही है।

अलग-अलग सड़क हादसे में 2 की मौत

बाइक को 20 फीट तक घसीटते ले गई अनियंत्रित कार, हादसे में 2 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में शुक्रवार को 2 अलग-अलग सड़क में हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई। पहली घटना कोटा थाना क्षेत्र की है, जहां सड़क पार कर रहे युवक को ट्रक ने टक्कर मार दी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरी घटना रतनपुर क्षेत्र में हुई है। यहां रात के अंधेरे में तेज रफ्तार कार युवक को टक्कर मारकर 20 फीट तक घसीटते ले गई। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। अनियंत्रित कार पलटने से उसमें सवार दो युवक घायल हो गए।

बिलासपुर की ओर जा रहे ट्रक ने मारी टक्कर: कोटा क्षेत्र के रतखंडी में रहने वाले नेपाल पटेल (26) पेशे से किसान था। शुक्रवार को वो किसी काम से कोटा आया था। इस दौरान उसके साथ उसका भांजा दीपक पटेल भी था। मामा-भांजा जय स्तंभ चौक के पास पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान बिलासपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने नेपाल पटेल को टक्कर मार दी।

आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज: इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। भांजा दीपक पटेल ने आसपास के लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल ले जाने के बाद डाक्टरों ने उसे मृत बता दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवक को 20 फीट तक घसीटते ले गई कार: रतनपुर के महामाया पारा निवासी रूपेश दुबे (25) शुक्रवार की रात मेन रोड में ढाबा तरफ गया था। वह अपनी पल्सर बाइक पर सवार था। घटना रात करीब 10.30 बजे की है। वह नेशनल हाईवे पर गहलोत ढाबा के पास बाइक पर सड़क पार कर रहा था। उसी समय बिलासपुर तरफ से तेज रफ्तार कार आ रही थी।

करंट लगने से दंपती की मौत

पति को खंभे से लगा करंट, तो बचाने दौड़ी पत्नी भी चिपकी

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में शनिवार को करंट की चपेट में आने से एक दंपती की मौत हो गई। उनका 8 साल का एक बेटा है। जो अब अनाथ हो गया। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र के मनगांव का है।

दरअसल, आदर्श नगर में दुर्योधन महंत और उसकी पत्नी पार्वती महंत किराए के मकान में रह रहे थे। उनके मकान के पास एक बिजली का खंभा है। दुर्योधन उस खंभे के पास गया, तो उसे करंट लग गया। उसे बचाने के लिए पत्नी दौड़ी, तो वो भी चिपक गई।

लोगों ने बिजली खंभे की जांच करने की मांग: आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने घटनास्थल का दौरा कर जांच शुरू कर दी है। लोगों ने बिजली विभाग से मांग की है कि, ऐसे खतरनाक खंभों की जांच करें, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

3 लाख के 9 लाख बनाने का झांसा देकर ठगी

45 दिन में पैसे ट्रिपल करने का दिया लालच, एफआईआर के बाद गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। जांजगीर चांपा जिले में ट्रेडिंग कंपनी में रकम जमा करने पर 3 गुना अधिक ब्याज मिलने का झांसा देकर 3 लाख रुपए की ठगी की गई है। ठगी की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी नकुल साहू को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी अनुसार आवेदक रितेश कुमार यादव ने एफआईआर दर्ज कराई। नकुल साहू निवासी धरदेई शिवरीनारायण थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वर्तमान में वार्ड नंबर 23 में रहता है, जिसने बताया कि वह एक ट्रेडिंग कंपनी है जिसमें पैसा जमा करने पर तीन गुना अधिक ब्याज दर से लाभ मिलता है। अपने झांसा में लिया।

3 लाख रुपए में 9 लाख रुपए दिलाने की बात कही: 22 जुलाई 2024 को 2 लाख रुपए नकद और 50-50 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए। 3 लाख रुपए में 9 लाख रुपए दिलाने की बात कही। 45 दिन बाद 12 प्रतिशत ब्याज देने का लालच दिया। जब समय पर लाभ की राशि नहीं मिली और कोई बांड या रसीद नहीं दी। पैसे वापस मांगने पर टालमटोल करता रहा।

धोखाधड़ी का जुर्म कबूल कर लिया: सिटी कोतवाली थाने में धारा 318,4 धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के बाद नकुल साहू को पुलिस हिरासत में लिया गया और पूछताछ करने पर उसने धोखाधड़ी का जुर्म कबूल कर लिया। अब उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

चाय बेचने वाले ने 400 लोगों से 100 करोड़ ठगे

शेयर ट्रेडिंग से दिया दोगुना मुनाफे का लालच, पैसों से जमीन-प्रॉपर्टी खरीदी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में चाय का ठेला लगाने वाले एक युवक ने 400 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ रुपए ठग लिए। आरोपी शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर लोगों को दोगुना फायदा होने का झांसा देता था। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड सहित 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि मुख्य आरोपी को लेकर दूसरे थाने में गुमशुदगी दर्ज थी। ठगी का मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि एक आरोपी अभी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

इस तरह खुला मामला: जानकारी के मुताबिक, कुबेर वर्मा ने थाने में शिकायत दी कि भुवनेश्वर साहू ने उसे शेयर बाजार में मुनाफा दिलाने का वादा किया था। इसके लिए रुपए निवेश करने की सलाह दी। उसकी बातों में आकर कुबेर ने करीब 7 लाख रुपए भुवनेश्वर के बताए बैंक खातों में जमा कर दिए। कुछ समय तक तो कुबेर को अच्छी रकम मिली, इसके बाद जब भी भुवनेश्वर से वह मुनाफे के बारे में पूछता तो वो टाल जाता। आरोप है कि इसके बाद भुवनेश्वर अपना मोबाइल बंद कर गायब हो गया। इसके बाद कुबेर को उससे ठगी होने का एहसास हुआ और थाने पहुंचा।

इस तरह लोगों को देता था झांसा

पुलिस पूछताछ में भुवनेश्वर साहू ने बताया कि, लोगों को बताता था कि वो शेयर बाजार का बड़ा खिलाड़ी है। उसने सैकड़ों लोगों को विश्वास में लिया और दोगुना मुनाफा होने का झांसा दिया। बातों में आकर बहुत सारे लोगों ने उसे रुपए दिए। शुरुआती दिनों में उसने कुछ प्रॉफिट दिया। जिससे बड़े मुनाफे की लालच में लोगों से लाखों रुपए निवेश करा लिए। इस तरह 400 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ से ज्यादा रुपए ठग लिए।

10 प्रतिशत कमीशन पर रखे लोग: पूछताछ में आरोपी भुवनेश्वर साहू ने बताया कि वह पहले चाय ठेला लगाता था। बाद में उसने मनोहर और शत्रुहन वर्मा के साथ मिलकर ठगी करना शुरू कर दिया। उसने ठगी के लिए बाकी आरोपियों को 10 प्रतिशत कमीशन पर रखा था। वे लोगों को झांसा देकर निवेश कराते थे। भुवनेश्वर ने पुलिस को बताया कि एकत्र की गई रकम में से करीब 2 करोड़ रुपए शेयर मार्केट में निवेश किए। बाकी रकम से अपने और अन्य परिचितों के नाम पर जमीन व प्रॉपर्टी खरीदी। शेयर मार्केट में निवेश की गई रकम के बारे में बताया कि वह डूब गई।

उसके बयान के बाद पुलिस ने आरोपी मनोहर साहू को भी पकड़ लिया। जबकि दूसरे आरोपी शत्रुहन की गिरफ्तारी पुलिस पहले ही कर चुकी थी।

आरंग थाने में दर्ज की भुवनेश्वर की गुमशुदगी: जांच के दौरान पता चला कि आरोपी भुवनेश्वर साहू की थाना आरंग में गुमशुदगी दर्ज है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने गांव पर बम फेंके

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़की है। बोरोबेकरा इलाके के एक गांव में उग्रवादियों ने शनिवार सुबह 5 बजे फायरिंग कर दी। बोरोबेकरा पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने गांव में बम भी फेंके हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंची हैं। उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग लगातार जारी है। फिलहाल हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। पुलिस ने बताया कि बोरोबेकरा जिरिबाम टाउन से 30 किमी दूर है। इस इलाके में घने जंगल और पहाड़ हैं और यहां पहले भी गोलीबारी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। इससे पहले 18 अक्टूबर को जिरीबाम के ही कालीनगर हमार वेंग इलाके में उग्रवादियों ने एक स्कूल में आग लगा दी थी। 15 अक्बूटर को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय की निमंत्रण पर मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे थे। इन्हें मणिपुर और हिंसा न होने का संकल्प दिलाया गया था। बैठक के 4 दिन बाद शनिवार को जिरिबाम में हिंसा हुई है। 4 दिन पहले मणिपुर में शांति के लिए दिल्ली में बैठक हुई थी 15 अक्टूबर को हुई बैठक में पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के सामने रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में इकट्ठा कर संकल्प दिलाया गया कि आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए। सूत्रों के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे चली बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे, लेकिन शाह बैठक की मिनट-टु-मिनट मॉनिटरिंग कर रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3 ग्रेनेड और 1 पिस्तौल भी बरामद की गई है। सेना के अधिकारियों ने बताया ये दोनों जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स नाम के संगठन से जुड़े हाइब्रिड आंतकी हैं। हाइब्रिड आतंकी आम नागरिकों की तरह ही इलाके में रहते हैं, लेकिन चोरी-छिपे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं या आतंकियों की सहायता करते हैं। इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। जम्मू पुलिस के एडीजीपी आनंद जैन ने कहा कि पूछताछ में पता चला कि दोनों आतंकी ने मंदिर, सेना के ठिकानों और एक अस्पताल पर ग्रेनेड फेंकने की प्लानिंग कर रहे थे। वे लोगों में डर पैदा करने के लिए पुंछ में एंटी नेशनल पोस्टर भी चिपकाते थे। ये आतंकी बॉर्डर के पार पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के संपर्क में थे। पुलिस ने 27 सितंबर को पुलवामा के अवंतीपोरा में टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया। पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद के 6 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार कियाढ्ढ ये युवाओं को आतंकवाद की ट्रेनिंग देते थे।

राज्यपाल की मौजूदगी में तमिलगान में द्रविड़ शब्द छूटा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में राज्यपाल आरएन रवि और ष्टरूएमके स्टालिन के बीच एक बार फिर विवाद हो गया है। इस बार मामला तमिलगान से द्रविड़ शब्द हटवाने के आरोप से जुड़ा है। जिसके बाद सीएम ने पीएम मोदी से राज्यपाल को हटाए जाने की मांग की है। ष्टरूने उन्हें आर्यन कहा। उन पर देश और तमिलनाडु की एकता का अपमान करने का आरोप भी लगाया।

समृद्धि योजना अंतर्गत समग्र ग्राम विकास के विभिन्न आयाम विषय पर जन अभियान परिषद की कार्यशाला हुईः मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन अभियान परिषद जन-जन के कल्याण के लिए समर्पित है। स्वैच्छिक, सामूहिक और सामुदायिक सहभागिता से स्वावलंबन के दृष्टिकोण से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अनिल माधव दवे ने प्रत्येक प्रदेशवासी को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से परिषद के गठन की प्रेरणा दी थी। सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर समाज भी चले इस उद्देश्य से जन अभियान परिषद को एक कड़ी के रूप में विकसित किया गया। शासकीय योजनाओं को जन-जन तक ले जाने में जन अभियान परिषद उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। परिषद भू-जल भण्डारण सहित समाज कल्याण और विकास गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समन्वय भवन में समृद्धि योजना अंतर्गत समग्र ग्राम विकास के विभिन्न आयाम विषय पर

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा राज्य, संभाग और जिला स्तरीय समन्वयकों के उन्मुखीकरण सह-प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने संस्कृति में आ रही विकृतियों से संघर्ष के कई प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए। साथ ही कंस रूपी बुराई से संघर्ष के लिए स्त्री-पुरूषों के साथ बच्चों को भी संगठित कर समाज की संगठन क्षमता और जन-कल्याण के लिए उसके सार्थक उपयोग का संदेश दिया। यह दर्शाता है कि संगठन की शक्ति से बड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड के प्रस्ताव को एलजी की मंजूरी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने शनिवार को मंजूरी दे दी। गुरुवार को राज्य के दर्जे की बहाली के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास किया था। डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा, केंद्र को अपना वादा पूरा करना चाहिए और राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, यह हमारा अधिकार है। हम वही मांग रहे हैं जो उन्होंने पहले ही वादा किया था। इस मांग को लेकर उमर अब्दुल्ला 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में

बांट दिया था। उमर ने विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि कैबिनेट की पहली मीटिंग में ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा। 16 अक्टूबर को सीएम पद की शपथ लेने के बाद अगले दिन ही उन्होंने प्रस्ताव पास किया। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी, मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा भी मौजूद थे

पीडीपी बोली- 370 बहाली पर भी फैसला लेना था पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने उमर कैबिनेट के फैसले को लेकर कहा कि यह हमारे लिए बड़ा झटका है।

उमर सरकार ने स्टेटहुड बहाली का प्रस्ताव क्यों पारित किया। 370 की बहाली पर भी फैसला करना चाहिए था।

झारखंड चुनाव, भाजपा की पहली लिस्ट में 66 नाम

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने शनिवार शाम 66 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता रहे पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को सरायकेला से उम्मीदवार बनाया गया है। चंपाई ने इसी साल अगस्त में पार्टी छोड़ी थी। इसके अलावा झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा और अर्जुन मुंडा की पत्नियों को भी टिकट दिया गया है। मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को जगन्नाथपुर से, अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को पोटका से टिकट दी गई है। पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी को धनवार से और सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन को जामताड़ा से टिकट दिया गया है। झारखंड में एनडीए के अंदर बीजेपी- 68, आजसू-10, जेडीयू-2 और लोजपा रामविलास 1 सीट पर चुनाव लड़ेगी। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को जमशेदपुर पश्चिम और

तमाड़ सीट दी गई है। चिराग पासवान के एलजेपी (रामविलास) को चतरा सीट मिली है। झारखंड में 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होना है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पहले चरण के लिए 25 अक्टूबर तक नामांकन प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद 28 अक्टूबर को पर्चे की स्क्रूटनी की जाएगी। 30 अक्टूबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। वहीं दूसरे चरण के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। इसके लिए 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर होगी। दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। इसके लिए 30 अक्टूबर को पर्चे की स्क्रूटनी की जाएगी। 1 नवंबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 23 नवंबर को मतगणना होगी। झारखंड विधानसभा में 81 सीटें हैं। इनमें 44 अनारक्षित, 28 एसटी और 09 एससी के लिए सुरक्षित सीटें हैं।

राहुल गांधी बोले- 50 प्रतिशत आरक्षण को हम तोड़ देंगे

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को रांची के शौर्य सभागार में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा- जब भाजपा के लोग आदिवासी को वनवासी कहते हैं तो वे क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? आपका जो जीने का तरीका है, इतिहास है, विज्ञान है, जिसे आप हजारों सालों से चला रहे हो, उसे वो खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

आदिवासी का मतलब जो सबसे पहले मालिक थे, जबकि वनवासी का मतलब है जो जंगल में रहते हैं। जब इस शब्द का प्रयोग किया जाता है तो वो केवल एक शब्द नहीं होता। ये आपका पूरा इतिहास है। मैं हिंदुस्तान की शिक्षा व्यवस्था में पढ़ा हूं। आदिवासियों के बारे में केवल 10-15 लाइनें ही मिलेंगी। इनका इतिहास क्या है, जीने का तरीका क्या है। उस बारे में कुछ नहीं लिखा। आपके बारे में जेएमएम शब्द प्रयोग किया गया। क्या ये आपका नाम है? किसने कहा आप पिछड़े हो? आपका जो हक है वो आपको नहीं दिया जाता। जिन लोगों ने इस देश को बनाया है किसान, मजदूर, बढ़ई, नाई, मोची का इतिहास कहां है। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है।

सीएम हेमंत सोरेन और

सीजेआई बोले- सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि मैंने सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत बनाने की कोशिश की है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि हम संसद में विपक्ष की भूमिका निभाते हैं। सीजेआई ने ये बात द सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन के पहले अंतरराष्ट्रीय कानून सम्मेलन में कही। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दायित्व संसद में विपक्ष के रूप में कार्य करना नहीं है। कानूनी विसंगतियों लिए कोर्ट की आलोचना स्वीकार है, लेकिन इसकी भूमिका और काम का मूल्यांकन केस के फैसलों के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने टेक्नोलॉजी का उपयोग करके और कई

प्रक्रियाओं को आसान किया है, लेकिन मैं जानता हूं कि चाहे कितने भी सकारात्मक फैसले लिए जाएं, संस्था की तरक्की ऐसे ईकोसिस्टम पर निर्भर करती है, जिसमें सभी योगदान करते हैं।

एससीएओआरए की जिम्मेदारी मुवक्किल-कोर्ट के बीच की खाई कम हो सीजेआई ने कहा कि एससीएओआरए का प्राइमरी काम यह सुनिश्चित करना है कि उनके काम के जरिए कोर्ट न्याय दे सके। यह सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि मामला ठीक से तैयार हो, अच्छी तरह से समझाया जाए और याचिका बिना गलती के दायर की जाए। आपकी जिम्मेदारी है कि मुवक्किल और कोर्ट के बीच की खाई कम हो। सुप्रीम कोर्ट में अधिकतर पिटीशनर के पास अपने मामलों पर समय पर अपडेट के लिए अपने एससीएओआरए के अलावा कोई नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि मैं सभी से आग्रह करता हूं कि अपने जूनियर के प्रति भी शिष्टाचार बरतें। आखिरकार कानूनी पेशे का विकास जूनियर्स के वेलफेयर और डेवलपमेंट से जुड़ा है।

महाराष्ट्र में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग फाइनल

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर शुक्रवार देर रात अमित शाह के घर एनडीए के घटक दलों की ढाई घंटे बैठक चली। इसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार शामिल हुए। बैठक में राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित गुट में सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 155, शिवसेना शिंदे गुट 78 और एनसीपी अजित पवार गुट 55 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में छोटी पार्टियों को भी कुछ सीटें दिए जाने पर सहमति बनी। कुछ सीटों को लेकर पेंच अमित शाह के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर सुलझाया जाएगा। दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद दोनों उप मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार महाराष्ट्र लौट आए हैं, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अभी भी दिल्ली में होने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को अपने कोटे से छोटी पार्टियों को सीट देनी है। किसी पार्टी के पास जिताऊ उम्मीदवार नहीं होने की स्थिति में 5 जगह प्लस-माइनस किया जा सकता है। भाजपा आज 106 नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर सहमति के बाद संभावना है कि भाजपा आज 106 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। इनमें लगभग वो सीटें होंगी जहां पार्टी के बड़े चेहरे चुनाव लड़ेंगे। इनमें देवेंद्र फडणवीस जैसे नाम शामिल हैं। अखिलेश ने एमवीए से 12 सीटें मांगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी से 12 सीटें मांगी हैं।

राजनाथ बोले- एआई से मिलिट्री ऑपरेशन में क्रांति की क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मिलिट्री ऑपरेशन में क्रांति लाने की क्षमता है।ढ्ढ पहले से अनुमान लगाकर विश्लेषण कर सकता है। उसके पास स्वतंत्र डिसीजन मेकिंग सिस्टम भी है। राजनाथ सिंह शनिवार को दिल्ली में आयोजित 62वें राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय पाठ्यक्रम दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में आप (जनता) लीडर होंगे, जिन्हें ये तय करना होगा कि इस तकनीक का फायदा कहां और कैसे उठाया जाए। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में मिलिट्री लीडर्स को जियो-पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल रिलेशन और ग्लोबल सिक्योरिटी अलायंस की परेशानियों की मजबूत समझ होना बहुत जरूरी है। सिंह ने कहा कि मिलिट्री

लीडर्स के लिए गए फैसलों के दूरगामी रिजल्ट हो सकते हैं, जो युद्ध के मैदान से आगे बढ़कर डिप्लोमेसी, इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल लॉ के दायरे में भी फैल सकते हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में पॉलिटिकल सीख बहुत जरूरी है।रक्षा मंत्री ने कहा कि ये सोचना कि हमारे विरोधी इन क्षमताओं का फायदा उठा सकते हैं, इस बात की याद दिलाता है कि हमें ऐसी किसी भी संभावित संभावना के लिए कितनी तत्परता से तैयारी करनी चाहिए। भारतीय सेना दुनिया में चौथी सबसे ताकतवर, पाकिस्तान 9वें नंबर पर फरवरी 2024 में सेना संबंधी डेटा रखने वाली वेबसाइट ग्लोबल फायरपावर की 'सैन्य ताकत सूची-2024' में दुनिया के 145 देशों की सेनाओं की क्षमताओं का एनालिसिस कर रैंकिंग जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे ताकतवर सेना है। अमेरिका सैन्य क्षमता के मामले में सबसे शक्तिशाली देश है।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रूस और तीसरे पर चीन का नाम था। लिस्ट में 60 से ज्यादा पैमानों के आधार पर रैंकिंग की गई थी।

दिल्ली में फिर बढ़ा एयर पॉल्यूशन, यमुना में जहरीला झाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह एयर क्वालिटी में काफी गिरावट देखी गई। एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 पॉइंट को पार कर गया। सुबह आसमान में धुंध छाई रही और लोगों को सांस लेने में भी परेशानी महसूस हुई। उधर, यमुना नदी में जहरीला झाग लगातार दूसरे दिन भी नजर आ रहा है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दी बढ़ने की वजह से दिल्ली-एनसीआर की एयर क्वालिटी खराब हो रही है। दो दिन से पॉल्यूशन का स्तर बढ़ रहा है। इससे लोगों को गले में दर्द, सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन हो रही है।

इसी के साथ त्वचा से जुड़ी बीमारियां होने का भी खतरा बढ़ जाता है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पॉल्यूशन को लेकर 18 अक्टूबर को इमरजेंसी मीटिंग की थी। उन्होंने कहा कि कुल 13 हॉटस्पॉट हैं, जहां एक्यूआई 300 को पार कर गया है। मंत्री ने अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए और कहा- पॉल्यूशन इतना ज्यादा क्यों हो रहा है, इसकी वजह पता करें। यमुना नदी के जहरीले झाग दिखाई दे रहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि इसमें अमोनिया और फॉस्फेट की मात्रा बहुत ज्यादा है। इससे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। छठ पूजा जैसे प्रमुख त्योहार नजदीक आ रहे हैं। इस दौरान जहरीले झाग की वजह से दिक्कत हो सकती है। इसे लेकर दिल्ली जल बोर्ड ने मीटिंग की है। जल बोर्ड छठ पूजा के पहले झाग को हटाना चाहता है। दरअसल, हर साल ओखला के कालिंदी कुंज में बैराज पर छठ पूजा के दौरान नदी में डुबकी लगाने के लिए सैकड़ों भक्त आते हैं। बैठक में भाग लेने वाले एक अधिकारी ने दावा किया।

संक्षिप्त समाचार

विराट 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपने अपने 9000 रन पूरे कर लिए। विराट दूसरी पारी में 70 रन बनाकर आउट हुए जबकि उन्हें 9000 रन पूरे करने के लिए केवल 53 रनों की जरूरत थी। विराट के इस मैच से पहले 8947 रन थे। वह पहली पारी में शून्य पर आउट हुए लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अर्धशतक लगा दिया। विराट 9000 रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। इसके साथ ही वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन गये हैं। विराट ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

विप्रो का तिमाही मुनाफा 21 प्रतिशत बढ़कर 32.3 अरब

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली विप्रो लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल मुनाफा इसके पिछले वर्ष की समान तिमाही के 26.7 अरब रुपये के मुकाबले 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 32.3 अरब रुपये पर पहुंच गया। विप्रो ने हाल ही में निदेशक मंडल की बैठक के बाद स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसे 32.3 अरब रुपये का सकल मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 26.7 अरब रुपये से 21 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी आय 232.5 अरब रुपये से बढ़कर 232.6 अरब रुपये पर पहुंच गई।

शेयर ने दिया छप्परफाड़ रिटर्न, एक लाख के बना दिए 12 लाख रुपए

मुम्बई। शुक्रवार को शेयर बाजार में हल्की तेजी देखने को मिली, जिससे कई सेक्टर के शेयरों ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया। कुछ शेयर ऐसे भी रहे जिन्होंने कम समय में ही जबर्दस्त रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। कुछ मल्टीबैगर स्टॉक्स ने एक साल से भी कम समय में निवेश को दोगुना या उससे अधिक कर दिया है, जबकि कुछ ने सिर्फ 6 महीने में ही शानदार रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इन्हीं में ऐसा ही एक मल्टीबैगर शेयर बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड का है। इस शेयर ने अपनी जबर्दस्त परफॉर्मेंस से निवेशकों का ध्यान खींचा। टेलीकॉम और सोलर एनर्जी इंडस्ट्री को इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन सेवाएं देने वाली इस कंपनी के शेयर की कीमत वर्तमान में 562.45 रुपए है। पिछले 6 महीनों में इसने 150त्न रिटर्न देकर निवेशकों की रकम को डेढ़ गुना कर दिया है। बोंडाडा इंजीनियरिंग का प्रदर्शन लॉन्ग टर्म में और भी शानदार रहा है। एक साल पहले इसके शेयर की कीमत 47.20 रुपए थी, जबकि अब यह करीब 1092त्न रिटर्न दे चुका है यानी, अगर किसी ने एक साल पहले इसमें 1 लाख रुपए निवेश किए होते, तो आज वह रकम लगभग 12 लाख रुपए हो गई होती।

आईपीएल के अगले सत्र के लिए मेगा नीलामी में उतरेंगे राहुल और जुरेल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए इस साल दिसंबर में होने वाली मेगा नीलामी में उतरने की संभावना है। राहुल और जुरेल अगर आगामी मेगा नीलामी में उतरते हैं तो उनपर ऊंची बोली लग सकती है। आईपीएल नियमों के अनुसार सभी टीमों के लिए मेगा नीलामी से पहले अपने रिटेंशन को पूरा करने के लिए 31 अक्टूबर तक का समय है। नियम के तहत ही हर फ्रेंचाइजी रिटेंशन और आरटीएम विकल्प के जरिये ज्यादा से ज्यादा छह खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती है। छह रिटेंशन या आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों का संयोजन) और अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। राहुल ने साल 2022 सत्र से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से 38 मैचों में 1410 रन बनाए हैं पर इसके बाद भी उन्हें फ्रेंचाइजी रिटेन करने की जगह पर नीलामी में उतारेगी। वहीं राहुल भी मेगा नीलामी में उतरना चाहते हैं, क्योंकि टीम उन्हें रिटेन नहीं कर सकती है। रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों या रिटेंशन की कीमत के बारे में चर्चाओं के बाद अगर राहुल नीलामी में शामिल होते हैं तो इसमें हैरान होने की जरुरत नहीं है। राहुल ने इससे पहले आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेला हैं। अगर वह मेगा नीलामी में उतरते हैं तो कई टीमें उन्हें अपने सेट-अप में शामिल करने के लिए तैयार रहेंगी क्योंकि उनके पास एक अच्छा खास अनुभव है। वहीं युवा जुरेल, फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किए जाने से साफ इनकार करने के बाद मेगा नीलामी में शामिल होने वाले एक और कैप्ड भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। इस साल भारत के लिए टेस्ट और टी20 में डेब्यू करने वाले जुरेल ने अपने फिनिशिंग स्किल्स के जरिए आईपीएल में प्रभावित किया है। वे फ्रेंचाइजी के लिए उनके मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। फ्रेंचाइजी हालांकि अभी भी जुरेल को रिटेन करने के लिए उनसे बातचीत कर रही है। पिछली आईपीएल नीलामी में इशान किशन, कुमार कुशाग्र और रॉबिन मिंज जैसे विकेटकीपर बल्लेबाजों ने अपने बेहतरीन कौशल के कारण नीलामी में बड़ी रकम हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया में होगी यशस्वी की सबसे बड़ी परीक्षा : ज्वाला

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम को युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल से अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। यशस्वी के कोच ज्वाला सिंह का मानना है कि यश्स्वी की सबसे बड़ी परीक्षा ऑस्ट्रेलिया दौरे में होगी पर जिस एकाग्रता से वह खेलते हैं उससे उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलेगी। कोच ने कहा इस स्तर पर पहुंचकर ये अहम होता है कि आप दबाव को कैसे संभालते हैं। आप हमेशा तकनीक पर काम कर सकते हैं पर अगर आपके पास सही रवैया और मानसिकता नहीं है, तो आप सफल नहीं हो सकते। यशस्वी काफी परिपक्व हैं और इसका लाभ उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में हालात अलग होते हैं। इसका कारण है कि वे वहां काफी कठिन क्रिकेट खेलते हैं और विपक्ष पर बेहद दबाव डालते हैं। पूर्व कोच के अनुसार टेस्ट पदार्पण के बाद से ही एक बल्लेबाज के रूप में विकास किया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ रहने से उन्हें काफी सहायता मिली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से यशस्वी ने 11 टेस्ट मैचों में 64.05 की औसत से 1217 रन बनाए हैं और तीन लंबी पारियां खेली हैं जिसमें 171, 209 और 214 रन शामिल हैं। साथ ही कहा कि वह हमेशा एक बल्लेबाज के रूप में आक्रामक रहा है। पहले, वह लगभग हर गेंद पर प्रहार करने जाता था पर अब वह हालात के अनुसार ऐसा करता है। वह अब अपने खेल के बारे में अधिक जानकारी रखता है। उसे इस बारे में बेहतर जानकारी है कि किस गेंद पर आक्रमण करना है और किस को छोड़ना है। इसके साथ ही उसकी फील्डिंग भी बेहतर होती है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी यशस्वी के कौशल स्तर और अनुकूलन क्षमता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, उनके पास हर तरह की परिस्थितियों में खेलने के लिए मैच है। आप उन पर दांव लगा सकते हैं और उनसे टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर सकते हैं।

शेन वॉर्न सहित इन क्रिकेटरों ने शतक लगाये बिना ही काफी रन बनाये

नई दिल्ली। विश्व के कई क्रिकेटर ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने शतक तो नहीं लगाये पर काफी रन जरुर बना दिये। इन क्रिकेटरों में नंबर एक पर ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न हैं। वार्न बिना शतक लगाये ही टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 145 टेस्ट मैच में वॉर्न ने 3154 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 12 अर्धशतक भी लगाये। वॉर्न का सबसे अधिक स्कोर 99 रन रहर है। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला ने भी 54 टेस्ट मैच में 2757 रन बनाये हैं। वहीं एकदिवसीय में डिकवेला ने दो शतक लगाये थे पर टेस्ट में वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने भी 89 टेस्ट में करीब 21 की औसत से 2093 रन बनाए हैं। उनके नाम 10 अर्धशतक हैं पर वह शतक नहीं लगा पाये। भारत के खिलाफ वह 99 रन बनाकर आउट हो गए थे। यही उनका सबसे अधिक स्कोर है। वहीं भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज रहे चेतन चौहान के नाम भी 40 टेस्ट मैचों में 31.57 की औसत से 2084 रन हैं। 1969 से 1981 के बीच ये टेस्ट खेले थे। इसमें इसमें 16 अर्धशतक शामिल हैं पर वह एक बार भी शतक नहीं लगा पाये उनका सर्वाधिक स्कोर 97 रन रहा है। इसके अलावा न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का टेस्ट में स्ट्राइक रेट 82 रनों से अधिक रहा है। उनकी सबसे बड़ी पारी 77 रनों की ही रही है। साउदी के नाम 102 मैच में 2115 रन है।

हैडिन और गोंजाल्विस ही रहेंगे पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच

मुम्बई। आईपीएल के अलगे सत्र की तैयारी में लगी पंजाब किंग्स ने अपने पुराने सहयोगी कोचिंग स्टाफ को बनाये रखा है। पंजाब ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच ब्रैड हैडिन और ट्रेवर गोंजाल्विस व अपने स्पिन गेंदबाजी कोच सुनील जोशी, को आगामी सत्र के लिए बनाये रखा है। केवल एक बदलाव के तौर पर तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स टीम से जुड़ेंगे। पंजाब ने गत माह ही रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच बनाया था। पोंटिंग ने दिल्ली कैपिटल्स में मुख्य कोच रहते हुए होप्स की सेवाएं ली थीं। बेलिस पिछले साल मुख्य कोच थे और संजय बांगड़ क्रिकेट डेवलपमेंट प्रमुख थे पर अब ये दोनो ही कोचिंग स्टाफ में शामिल नहीं हैं। टीम को इस बार पोंटिंग के आने से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पोंटिंग को चार साल के अनुबंध पर नियुक्त किया गया है। पंजाब की टीम आज तक कभी भी आईपीएल नहीं जीती है। टीम एकमात्र बार 2014 में फाइनल में पहुंची थी। पिछले सात चरण में टीम शीर्ष पांच में भी नहीं पहुंच पायी थी । इस साल की शुरुआत में 10 टीमों में नौवें स्थान पर रही थी।

लिस्टिंग के बाद जोमेटो पहली बार जुटाएगी फंड

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी सेक्टर की प्रमुख कंपनियों में से एक जोमैटो 30 सितंबर को समाप्त होने वाली वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा से पहले क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से धन जुटाने पर विचार कर रही है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने यह खुलासा नहीं किया है कि वह कितनी राशि जुटाने की योजना बना रही है। एक्सचेंज फाइलिंग में जोमैटो ने कहा कि यह सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक मंगलवार, 22 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट के माध्यम से धन जुटाने पर विचार किया जाएगा। धन जुटाने की यह कवायद शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो यह फूड डिलीवरी कंपनी द्वारा तीन साल पहले शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद पहली बार फंड जुटाने की प्रक्रिया होगी। इसके अतिरिक्त बोर्ड 22 अक्टूबर, 2024 को वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की भी घोषणा करेगा। बीएसई पर गुरुवार को जोमैटो के शेयर 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 270.65 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। फूड एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म जोमैटो द्वारा फंड जुटाने की यह कवायद एक ऐसे समय शुरू करने की जा रही है जब फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। जोमैटो की प्रतिद्वंद्वी स्विगी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी कर रही है। बेंगलुरु स्थित इस कंपनी ने खुलासा किया है कि वह आईपीओ के माध्यम से 45 करोड़ डॉलर तक की नई पूंजी जुटाने की योजना बना रही है।

अब कोच और मेंटोर की भूमिका में नजर आयेंगी रानी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी की पूर्व कप्तान रानी रामपाल अब महिला हॉकी लीग में अब मेंटोर और कोच की भूमिका में नजर आयेंगी। महिला हॉकी लीग के इस पहले सीज़न में रानी पंजाब और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए सूरमा हॉकी क्लब की कोच होंगी। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समग्र रूप से भारतीय महिला हॉकी के लिए एक कदम आगे है। रानी ने कहा कि इससे उनके जीवन का एक नया अध्याय शुरु होगा। रानी कई सालों तक भारतीय महिला हॉकी का चेहरा रहीं। इस दौरान उनका नेतृत्व कौशल और जुनून प्रेरणादायक रहा । रानी टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम की कप्तान रही थीं। रानी ने कहा ,'' हॉकी मेरा जुनून है। मैने जितने समय खेला, जुनून के साथ खेला। मेरे दिमाग में हमेशा से यह था कि भारतीय हॉकी से जुड़ने के लिये जो भी मौका मिलेगा, उसे मैं स्वीकार जरूर करूंगी। हॉकी मेरे दिमाग में हमेशा चलती रहती थी।'' रानी ने भारत के लिये 212 मैचों में 134 गोल कर किये हैं और इस प्रकार उन्हें खेल का लंबा अनुभव है। इस खिलाड़ी ने कहा कि पहली बार शुरु हो रही इस महिला लीग से उभरती हई खिलाड़ियों को एक मंच मिलेगा। रानी ने कहा कि मैं एक महिला खिलाड़ी हूं और मैने बहुत संघर्ष झेला है। एक खिलाड़ी हमेशा खिलाड़ी होता है। खेलने की इच्छा कभी खत्म नहीं होती। कई बार आपको कठिन फैसला लेना होता है और इसी लिए लीग में न खेलते हुए ही मैने कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़ने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा ,'' संन्यास के बारे में बोलना अभी मुश्किल है। अभी लीग में नयी चुनौती का सामना करूंगी और उसके बाद कोई अंतिम फैसला लूंगी।'' साथ ही कहा कि भारतीय हॉकी टीम को अब 2026 एशियाई खेलों और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी करनी चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास हरेंद्र सिंह के रूप में एक बेहतरीन कोच है जो पोडियम फिनिश का सपना पूरा कर सकते हैं। इस महान स्ट्राइकर ने कहा ,''कोई भी टीम हारना नहीं चाहती। हम अतीत को बदल नहीं सकते लेकिन अब 2028 के लिये देखना है। पहला लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई करना होना चाहिये। साथ ही कहा कि महिला लीग खिलाड़ियों का पूल तैयार करने में काफी सहायक हो सकती है।'' उन्होंने कहा,''हरेंद्र सर कोच के तौर पर लौटे हैं जिनके साथ मैंने काफी हॉकी खेली है। उनके साथ सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह हमारी संस्कृति और जानते हैं। हमें भरोसा है कि हरेंद्र सर के साथ टीम 2028 में टीम अच्छा करेगी।''रानी ने स्वीकार किया कि महिला लीग के पहले सत्र में नीलामी के लिये पर्स छोटा है लेकिन उम्मीद जताई कि आने वाले समय में अधिक फ्रेंचाइजी लीग से जुड़ेंगी और पैसा भी बढेगा। उन्होंने कहा ,''नीलामी के लिये पर्स कम जरूर है लेकिन कोई भी चीज शुरू करना कठिन होता है। हॉकी इंडिया के लिये भी यही है लेकिन लीग का प्रभाव अच्छा रहता है तो उम्मीद है कि और टीमें आगे आयेंगी और पर्स भी बढेगा। हमारे खिलाड़ी बहुत साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं तो आर्थिक तौर पर यह लीग बहुत मदद करेगी।''

दिव्यांगों के लिए बना है कोमाकी एक्सजीटी एक्स5 स्कूटर

नई दिल्ली। कोमाकी एक्सजीटी एक्स5 एक तीन पहियों वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। इसमें राइडर और पिलियन दोनों के लिए आरामदायक सीटें दी गई हैं, जिससे लंबी दूरी की सवारी भी आरामदायक हो जाती है। यह स्कूटर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है और इसमें एक मकेनिकल पार्किंग फीचर भी शामिल है, जिससे पार्क करते समय स्कूटर को आसानी से आगे-पीछे किया जा सकता है। एक्सजीटी एक्स5 की टॉप स्पीड 25 किमी/घंटा है, और यह एक बार फुल चार्ज होने पर 80 से 90 किमी की दूरी तय कर सकता है। इसे फुल चार्ज होने में लगभग चार घंटे का समय लगता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में लिथियम-आयन बैटरी दी गई है, जिस पर 2 साल की वारंटी है, जबकि वीआरएलए बैटरी पर जीवनभर की वारंटी दी गई है। कोमाकी एक्सजीटी एक्स5 में क्रूज कंट्रोल, रिवर्स और पार्क मोड्स जैसे फीचर्स भी हैं, जो सवारी को और भी सरल बनाते हैं। इसके अलावा, स्कूटर में एक ऑल-डिजिटल डैशबोर्ड भी है, जो चार्ज की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करता है। तीन पहियों के डिज़ाइन की वजह से स्कूटर को तंग गलियों में भी संतुलित तरीके से चलाया जा सकता है, जिससे यह बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन जाता है। बता दें कि इन दिनों इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में तेजी से वृद्धि हो रही है, जहां कुछ कंपनियां बेहतर परफॉर्मेंस और स्पीड पर फोकस कर रही हैं, वहीं कुछ कंपनियां अधिक रेंज वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने पर ध्यान दे रही हैं।

सोने के भाव में तेजी, चांदी फिर 92 हजार के पार

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इसके साथ ही सोने के वायदा भाव ने 77,565 रुपये के भाव पर अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव 77,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,650 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 287 रुपये की तेजी के साथ 77,294 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 423 रुपये की तेजी के साथ 77,530 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 251 रुपये की तेजी के साथ 91,995 रुपये पर खुला। इस समय यह 915 रुपये की तेजी के साथ 92,659 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में आज सोनेचांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,707.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,707.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 15.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,723.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.87 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.77 डॉलर था।

युवाओं के पास बड़ा मौका, 1.55 लाख से ज्यादा ने किया रजिस्ट्रेशन

हर माह मिलेंगे रु 5 हजार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत देशभर के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिससे उन्हें देश की शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप के जरिए व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। इस योजना को सरकार द्वारा 2024 के केंद्रीय बजट में घोषित किया गया था, और अब तक 1.55 लाख से ज्यादा युवाओं ने इसमें रजिस्ट्रेशन कराया है। योजना के लिए आवेदन 12 अक्टूबर से शुरू हुए थे और इसके लिए आवेदन की आखिरी तिथि 25 अक्टूबर है। बता दें कि पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन पूर्ण रूप से ऑनलाइन मोड में ही होगा। मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके स्किल्स को विकसित करने का मौका देना है ताकि वे अपने करियर की शुरुआत बेहतर तरीके से कर सकें। योजना के तहत अगले 5 सालों में देश की टॉप 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को एक साल की इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। ये कंपनियां कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा वेब पोर्टल पर सूचीबद्ध की गई हैं, जहां 24 सेक्टर्स में इंटर्नशिप के मौके पहले ही उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इस इंटर्नशिप के तहत प्रति माह चयनित उम्मीदवारों को 5 हजार रुपए की राशि हासिल होगी, और इसके साथ ही साल में एक बार उन्हें अलग से 6000 रुपए की राशि भी दी जाएगी। बता दें, कि इस इंटर्नशिप की कुल अवधि 12 महीनों की होगी। एडटेक कंपनी upGrad ने इस योजना को और मजबूती देने के लिए बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट रखा है, जिसके तहत 2024-25 में एक लाख युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी। खासतौर पर 20-24 साल की उम्र के युवाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें तकनीकी ज्ञान, सॉफ्ट स्किल्स, और प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर फोकस किया जाएगा। upGrad के को-फाउंडर और चेयरमैन रॉनी स्क्रूवाला ने इस योजना की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि स्किल ट्रेनिंग एक उत्पाद नहीं बल्कि आज की जरूरत है। इस ट्रेनिंग के जरिए प्रतिभागी न केवल इंटर्नशिप के दौरान आवश्यक स्किल्स हासिल करेंगे बल्कि उन्हें बड़ी कंपनियों में रोजगार पाने में भी मदद मिलेगी। स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम को फ्री रखा गया है और शुरुआती एक लाख छात्रों के लिए यह विशेष ऑफर होगा। इसके बाद की ट्रेनिंग के लिए 20,000 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। यह योजना न केवल युवाओं को ट्रेनिंग देने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में भी मददगार साबित होगी। युवाओं को व्यावहारिक अनुभव दिलाने और उन्हें नौकरी के लिए तैयार करने के उद्देश्य से एक अहम कदम है। upGrad जैसी कंपनियों के सहयोग से यह योजना और भी प्रभावी हो गई है, जिससे न केवल युवाओं को लाभ मिलेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

चोरी के माल के सौदागर के साथ पकड़ा गया लुटेरा

कट्टे की नोंक पर बाइक सवार के साथ की थी लूट, दो गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के मझगवां थाना क्षेत्र में हुई लूट की एक वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने लुटेरे और चोरी के माल के खरीददार समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है] जबकि दो की तलाश अभी जारी हैं। पुलिस ने कट्टा, लूटी गई बाइक और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

जानकारी के मुताबिक, मझगवां थाना पुलिस ने 10 अक्टूबर को मझगवां -देवलहा मार्ग पर भड़भड़िया नाला के पास हुई लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी उमादत्त सिंह गोंड पिता दशरथ सिंह (56) निवासी छिवलहा को गिरफ्तार किया है। उसके साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी शाबिर शाह पिता बाकर शाह (24) निवासी करवई कोतवाली जमालपुर जिला बांदा यूपी को भी पकड़ा गया है।

उमादत्त के दो और साथी देवीदीन कुशवाहा पिता बद्री प्रसाद (20) निवासी करवई जमालपुर जिला बांदा यूपी व अजय कुशवाहा उर्फ तितुलि पिता तुलसीदास (21) निवासी महतैन बगीचा सीतापुर कर्वी जिला चित्रकूट यूपी अभी फरार हैं।

पुलिस ने बताया कि 10 अक्टूबर को आरोपी उमादत्त, देवीदीन व अजय ने भड़भड़िया नाला के पास गजानंद यादव पिता कल्लू यादव निवासी देवलहा को लूट लिया था। मझगवां में निमंत्रण में शामिल होकर लौट रहे गजानंद का रास्ता रोककर आरोपियों ने उसकी कनपटी पर कट्टा सटा कर उसकी बाइक, मोबाइल फोन और 35 सौ रुपए नगदी लूट ली थी। आरोपियों ने उसे कट्टे की बट से मारा भी था। घटना के बाद आरोपी पहाड़ीखेरा तरफ भाग निकले थे। रास्ते मे बाइक का पेट्रोल खत्म हो जाने पर उन्होंने बाइक को बन्दरचुई पहाड़ के पास एक खण्डहर में छिपा दिया था। मोबाइल फोन देवीदीन ने अपने गांव के शाबिर शाह को बेच दिया था।

मोबाइल की लोकेशन के आधार पर आरोपी को पकड़ा: घटना की शिकायत दर्ज होने के बाद जब मझगवां पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल की लोकेशन बांदा जिले के जमालपुर के करवई गांव में मिली। पुलिस ने शाबिर को पकड़कर मोबाइल जब्त किया और उमादत्त को बंदी बनाकर कट्टा और लूटी गई बाइक बरामद की।

68वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

वुशू स्पर्धा में सतना को तीन गोल्ड समेत कुल 8 मेडल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग की तरफ से ग्वालियर में 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक हुई 68वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो स्कूल शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके वुशू स्पर्धा में सतना के खिलाड़ियों ने 3 गोल्ड समेत 8 मेडल जीते।

गोल्डन गर्ल अस्मि ने ताइक्वांडो के बाद वुशु में भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर मार्शल आर्ट की दोनों विधाओं में स्वर्ण पदक जीतने का रिकॉर्ड बनाया।

सतना के 18 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया: ग्वालियर के उत्कृष्ट विद्यालय और ताइक्वांडो नोडल स्कूल क्रमांक-1 में आयोजित वुशु प्रतियोगिता में अंडर 17 और अंडर 19 आयु वर्ग के विभिन्न भार वर्ग में लगभग 250 वुशु खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इसमें सतना जिले के 18 खिलाड़ियों समेत रीवा संभाग से 38 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। सतना मार्शल आर्ट और सतना वूशू संघ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गोल्ड, एक सिल्वर और 4 ब्रांज मेडल सहित 8 मेडल जीते। जबकि, रीवा संभाग को 6 गोल्ड के साथ कुल 17 मेडल मिले।

अस्म, स्नेहा और अनुष्का ने गोल्ड जीता: सतना से 68वीं राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एम्बेसडर और ताइक्वांडो-वूशू की राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी अस्मी भारती, स्नेहा पयासी और अनुष्का पांडे ने गोल्ड मेडल जीत कर जम्मू में आयोजित होने वाली 68वीं राष्ट्रीय वूशु प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई। वहीं, अनामिका पटेल ने सिल्वर। जबकि, अध्ययन भारती, अथर्व त्रिपाठी, वैष्णवी तिवारी और वर्षा चौधरी ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। रीवा संभाग की टीम में दल प्रबंधक ऋषि करोशिया, ऑफिशियल में मानिंद्र और गुड्डू कन्नौजिया शामिल रहे।

सतना की इस शानदार जीत पर जिला खेल अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग मीना त्रिपाठी, जिला ताईक्वांडो संघ के सचिव और नेशनल रैफरी डा. संदीप भारती, जिला सतना वूशू संघ के सचिव शैलेन्द्र शर्मा, धीरेन्द्र सिंह, किरण चतुर्वेदी, शलकांत बहादुर सिंह, संतोष पटेल और सतना की विभिन्न स्कूलों के समस्त पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है।

राज्यमंत्री आज विभिन्न कार्यक्रमों में होंगी शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी 20 अक्टूबर को प्रातः 6.40 सतना आयेंगी। निर्धारित कार्यक्रमानुसार राज्यमंत्री बागरी प्रातः 10 बजे विधानसभा क्षेत्रीय कार्यालय विट्स कालेज के पास जनता दरबार में शामिल होंगी। राज्यमंत्री दोपहर 1 बजे संभागीय उद्योगपतियों से मुख्यमंत्री की वर्चुअल वार्तालाप में एनआईसी कार्यालय कलेक्ट्रेट सतना से शामिल होंगी। राज्यमंत्री बागरी दोपहर 2 बजे एकेएस विश्वविद्यालय में बौद्धिक संगोष्ठी तथा दोपहर 3 बजे खेल ग्राउण्ड कोठी में कोठी प्रीमियम लीग का उद्घाटन करेंगी। इसी प्रकार राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी 21 अक्टूबर को प्रातः 9.30 नगर निगम सभाकक्ष में नगर निगम अधिकारियों की बैठक लेंगी तथा प्रातः 10.30 जनता दरबार लगाकर आमजनों की समस्यायें सुनेंगी।

विंध्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास के नए अवसरों का केंद्र बनेगा रीवा : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री 20 अक्टूबर को रीवा को देंगे हवाई अड्डे की सौगात

रीवा में 23 अक्टूबर को होगी अगली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 23 अक्टूबर को रीवा में होने वाली प्रदेश की 5वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दो दिन पहले 20 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी रीवा को एक बड़ी सौगात देंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 102 हेक्टेयर जमीन पर 300 करोड़ रूपये की लागत से रीवा में बने हवाई अड्डे का वर्चुअली शुभारंभ किया जायेगा। इससे पर्यटक और निवेशकों के लिये आवागमन सहज और सुगम हो जायेगा। यह विंध्य क्षेत्र के लिये ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव राज्य के औद्योगिक विकास को एक नई दिशा देगी। इस कॉन्क्लेव से रीवा और विंध्य क्षेत्र में निवेश आने से औद्योगिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आयेंगे।

रीवा संभाग के उद्योगपतियों से रविवार को होगा संवाद: मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीवा में होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के पहले रविवार 20 अक्टूबर को रीवा संभाग के उद्योगपतियों के साथ वर्चुअल संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा विंध्य क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी देने के साथ सरकार की उद्योग नीति, प्रावधानों और उद्योगपतियों के लिये की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास, कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, हस्तशिल्प और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

कॉन्क्लेव में बिजनेस प्रमोशन सेंटर: रीवा इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में व्यापारिक और औद्योगिक हितधारकों के लिए बिज़नेस प्रमोशन सेंटर की स्थापना की जा रही है, जहाँ 16 से अधिक प्रमुख सरकारी और निजी विभाग अपने उत्पादों, सेवाओं और नीतियों को प्रदर्शित करेंगे। इसका उद्देश्य व्यापार को सरल बनाने के साथ निवेशकों और उद्यमियों के बीच संवाद को बढ़ावा देना है, जिससे औद्योगिक वातावरण को सुदृढ़ किया जा सके।

व्यापारिक सुगमता और औद्योगिक विकास पर ध्यान: कॉन्क्लेव में एमपी इंडस्ट्रियल डेव्लपमेंट कॉरपोरेशन की प्रमुख भूमिका रहेगी, जो "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" के तहत व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाकर निवेशकों को व्यापार स्थापित करने में सहयोगी की भूमिका निभाएगा। एमपी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेव्लपमेंट कॉरपोरेशन राज्य के आईटी एवं ईएसडीएम उद्योग में विकास और निवेश के अवसरों को साझा करेगा। एमएसएमई विभाग सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी योजनाओं और सहायता कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करेगा, जिससे इन उद्यमों का राज्य के औद्योगिक ढाँचे में और भी मजबूत योगदान हो सके।

निर्यात और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निर्यात को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के उद्देश्य से डायरेक्टोरेट ऑफ फॉरेन ट्रेड निर्यात के अवसरों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जबकि कस्टम विभाग आयात-निर्यात प्रक्रियाओं और नियमों पर जानकारी देगा। इस दिशा में ईसीजीसी द्वारा निर्यातकों के लिए क्रेडिट बीमा और वित्तीय सेवाओं पर भी व्यापक जानकारी दी जाएगी, जिससे राज्य के निर्यातकों को वैश्विक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

पर्यटन और हस्तशिल्प उद्योग में निवेश के अवसर: कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के पर्यटन स्थलों और उद्योग में निवेश की संभावनाओं पर विशेष जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, हस्तशिल्प विकास निगम राज्य के हस्तशिल्प उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपने उत्पादों को बाजार में लाने के नए तरीकों पर जानकारी देगा।

मुख्यमंत्री की पहल - रीवा में भी खुला निवेश प्रोत्साहन केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर रीवा कलेक्ट्रेट परिसर में निवेश प्रोत्साहन केन्द्र शुरू हो गया है। रीवा सहित पूरा विंध्य क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों और खनिज संपदा से समृद्ध है। यहां बाणसागर बांध की नहरों के माध्यम से पर्याप्त पानी उपलब्ध है। उद्योगों की स्थापना के लिए यहां कम दर पर पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। उद्योगों की स्थापना के लिए विंध्य क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को फलीभूत करने के लिए कलेक्ट्रेट रीवा में निवेश प्रोत्साहन केन्द्र शुरू किया गया है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों के क्रम में इस केन्द्र को शुरू किया गया है। केन्द्र में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास केन्द्र अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। निवेश प्रोत्साहन केन्द्र से उद्योगों की स्थापना के लिए उपलब्ध भूमि, पानी, सड़क, बिजली, रेलवे लाइन, हवाई मार्ग, श्रमिकों की उपलब्धता आदि की जानकारी दी जा रही है।

विंध्य में बाणसागर बांध की नहरों से खेती में चहुँमुखी विकास हुआ है। गेंहू, धान, चना, सरसों सहित सभी फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा है। कृषि आधारित तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की भी अच्छी संभावनाएं हैं।

उद्योगों की स्थापना के लिए रीवा जिले में गुढ़ में नया औद्योगिक केन्द्र विकसित किया गया है। मऊगंज जिले में घुरेहटा तथा कटरा-घूमा में नए औद्योगिक केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। सिरमौर और सेमरिया तहसील तथा त्योंथर तहसील में औद्योगिक निवेश के लिए भूमि आरक्षित की गई है। जिले के कई क्षेत्रों में सोलर एनर्जी की भी अच्छी संभावना है। निवेश प्रोत्साहन केन्द्र से पूरे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश से जुड़े सभी आयामों की जानकारी दी जा रही है, जिससे निवेशकों का काम आसान होगा।

प्रधानमंत्री आज रीवा के हवाई अड्डे का करेंगे शुभारंभ

रीवा अंचल में पर्यटन के साथ निवेश को भी मिलेगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री

विंध्य क्षेत्र के लिये गेम चेंजर साबित होगा रीवा एयरपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के साथ मध्यप्रदेश को भी अनेक अनूठी सौगातें दी है, जिससे मध्यप्रदेश तेजी से विकसित राज्य की ओर अग्रसर हो रहा है। विकास की इसी कड़ी प्रधानमंत्री मोदी विंध्य क्षेत्र को एयरपोर्ट की सौगात देने जा रहे हैं। रविवार 20 अक्टूबर विंध्य क्षेत्र के लिये ऐतिहासिक होगा। इस दिन प्रधानमंत्री मोदी रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। रीवा एयरपोर्ट पूरे विंध्य क्षेत्र के लिये गेम चेंजर साबित होगा, इससे रीवा अंचल में पर्यटन के साथ निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश का 6वां एयरपोर्ट, जिसे डीजीसीए ने दिया लायसेंस: मध्यप्रदेश के एक बड़े हिस्से के लिए यह अच्छी खबर है कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने रीवा एयरपोर्ट को लाइसेंस दे दिया है। इसके अंतर्गत अब यहां से एयरक्राफ्ट आसानी से उड़ान भर सकेंगे। भोपाल, जबलपुर, खजराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद रीवा प्रदेश का 6वां एयरपोर्ट है, जिसे डीजीसीए ने लाइसेंस दिया है। इस एयरपोर्ट पर उड़ानें शुरू होने से प्रदेश के 65 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा। साथ ही रीवा की सीमा से लगे उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोगों को भी राहत मिलेगी।

उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे क्षेत्र भी होंगे लाभान्वित: उल्लेखनीय है कि रीवा से मऊगंज, सीधी, सतना, मैहर जिले सीधे जुड़े हुए हैं। इन जिलों के साथ ही उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे लोग भी काम के सिलसिले में रीवा आते हैं। रीवा की आबादी करीब 15 लाख, मऊगंज की 8 लाख, सीधी की 12 लाख, सिंगरौली की 12 लाख और सतना जिले की आबादी 18 लाख है। इन जिलों की जनता को रीवा एयरपोर्ट बनने से सीधा फायदा होगा। एयर कनेक्टिविटी होने से यहां विकास को भी रफ्तार मिलेगी। रीवा एयरपोर्ट सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक-न्वाछ) योजना के तहत बनाया गया है। इसका उद्देश्य विमान यात्रा को आम जनता के लिए आसान बनाना है। इससे छोटे शहरों के बीच एयर कनेक्टिविटी बेहतर होगी. इसके अलावा अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

निवेश-टूरिज्म को मिलेगा फायदा: लाइसेंस मिलने के बाद अब रीवा एयरपोर्ट पर फ्लाइट का आना-जाना, यात्रियों और कार्गो सुविधा का विस्तार होगा. इस एयरपोर्ट को नए ढंग से बनाया गया है। यह अच्छा-खासा टर्मिनल भी बनाया गया है। इस एयरपोर्ट पर एटीआर-72 विमान संचालित किया जा सकता है। ये सभी सुविधाएं एयरलाइंस को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। इस एयरपोर्ट के संचालन से एक ओर पर्यटन को फायदा होगा वहीं दूसरी ओर निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

अगले 50 सालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया प्लान: रीवा एयरपोर्ट को अगले 50 सालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। रीवा से हवाई यात्रा करने वाले यात्री बिना किसी असुविधा के रीवा एयरपोर्ट तक पहुंच सकेंगे। रीवा में पहले से बनाए गए रिंग रोड के चलते सीधी और सतना जिले से यात्रियों का आना-जाना काफी बढ़ गया है। सिंगरौली का पॉवर प्लांट, विंध्य की 29 बड़ी इकाइयां, बेहतरीन हाई-वे, मुकुंदपुर व्हाइट सफारी, बंधावगढ़ नेशनल पार्क, संजय नेशनल पार्क, एशिया का सबसे बड़ा सोलर पावर प्लांट, खूबसूरत जलप्रपात, भगवान श्रीराम की तपोवन भूमि चित्रकूट, मैहर की शारदा मां और सीमेंट के बड़े उद्योग होने से रीवा एयरपोर्ट की महत्वता और भी बढ़ जायेगी।

रीवा एयरपोर्ट - एक नजर में 450 करोड़ रूपये की लागत। 102 हेक्टेयर भूमि पर निर्मित। 30 मीटर चौड़ा और 800 मीटर लंबा रन-वे। रन-वे के दोनों तरफ़3.5 मीटर के दो शेल्टर। टर्मिनल में बैठने की अच्छी व्यवस्थाएँ। साफ़ सुथरे शौचालय।

चरवाहे के घर चोरी की अनोखी वारदात

कार से आए चोर, 17 भेड़ें चुरा ले गए, घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना के बिरसिंहपुर में चोरी की एक अजीब वारदात सामने आई है। यहां शुक्रवार की रात को चोरों ने कार से भेंड़ों की चोरी की। चोरी की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के मुताबिक सभापुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर के वार्ड नंबर-2 में केशव पाल नामक चरवाहे के घर से 17 भेंड़ों की चोरी हो गई। कार से आए चार चोरों ने भेंड़ को केशव के बाड़े से गोद मे उठा कर लाए और कार में भर ले गए। उनकी यह करतूत केशव के घर के पास एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

भेड़ पालकर गुजर बसर कर रहा था: सुबह जब केशव की नींद खुली और वह बाहर आया तो भेड़ गायब देख शोर मचाने लगा। चोरी का अंदेशा होने पर पुलिस को सूचना दी गई और खोजबीन शुरू की गई तो सीसीटीवी फुटेज में यह घटना सामने आई। स्थानीय लोगों का बताना है कि केशव पाल बेहद गरीब है। वह मवेशी चराकर और भेड़ पाल कर अपना गुजर बसर करता था। भेंड़ रखने के लिए उसने बाड़ा बना रखा है। शुक्रवार की रात भेंड़ हमेशा की तरह वहीं बंधी थीं।

सभापुर थाना पुलिस घटना की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों के बारे जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है।

संस्कारित विकास और अनुशासन ही देश को महान बनाता है : शुक्ल

तीन दिवसीय शरदोत्सव की समापन संध्या में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संस्कृति संचालनालय मध्यप्रदेश एवं जिला प्रशासन सतना एवं चित्रकूट क्षेत्र की जनता के सहयोग से चित्रकूट में पारम्परिक नृत्य एवं गायिकी केन्द्रित तीन दिवसीय शरदोत्सव की समपान संध्या में मुम्बई के इंडियन आइडल फेम गायिका पवनदीप राजन एवं अरूणिता कांजीवाल की जोडी ने अपनी गीतों की प्रस्तुति से दर्शकों को भाव-विभोर किया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्र म के समापन समारोह शरदोत्सव में मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया।

समापन संध्या में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख का स्मरण करते हुए कहा कि नानाजी के कृतित्व ने भगवान राम की तपोस्थली एवं वन प्रांतर अंचलों में चैतन्यता जगाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और प्रेरणा से उनके बताए मार्ग पर क्षेत्र का उत्थान किया जा सकता है। नानाजी सदैव कहते थे कि संस्कारित विकास एवं अनुशासन ही देश को महान बनाता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने यहां उपस्थित स्थानीय जनों को संबोधित करते हुए शरद पूर्णिमा के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यमंत्री कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक रीति पाठक, विधायक राजेश वर्मा एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मैहर जिले के एसडीएम ने मां शारदा धाम का गान बनाया है

इसको लेकर पूरे प्रदेश में उनकी और उनके गान की चर्चा हो रही है

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्य प्रदेश गान की तर्ज पर मैहर में पदस्थ एसडीएम ने मैहर गान की रचना कर डाली। एसडीएम ने न केवल गान की रचना की, बल्कि कलेक्टर को गाकर भी सुनाया। मैहर गान में मां शारदा धाम मैहर जिले में समाहित ऐतिहासिक धरोहरों और प्राचीन स्थलों को भी शामिल किया गया है। मैहर गान को सुनकर अब हर कोई उनकी सराहना कर रहा है।

क्यों खास है मां शारदा गान: आरती यादव मैहर जिले के अमरपाटन में एसडीएम पद पर पदस्थ हैं. उन्होंने एक रचना की जिसको उन्होंने मां शरदा को समर्पित किया है. मैहर गान हृदय के अनंत गहराइयों से शारदा माता के प्रति श्रद्धा भाव अर्पित करती यह रचना अपने अंतर्मन में जिले भर के प्रसिद्ध स्थलों के दर्शन कराती है। महर्षि मार्कण्डेय के तपोस्थली में बने आश्रम से मिलने वाली शांति आत्मा से परमात्मा का मिलन कराती है और उससे लगे बाणसागर बांध से मिलने वाली बिजली और पानी से अन्य प्रदेशों को शीतलता का अहसास कराने का जिक्र रचना में किया गया है।

हर कोई कर रहा गीत की तारीफ: अमरपाटन अनुभाग मजिस्ट्रेट ने अपने कार्यालयीन दायित्वों के साथ-साथ अपनी कलम से मां शारदा की भक्ति की अनूठी मिसाल पेश की है. वाणी और अंतरात्मा को माता शारदा के श्री चरणों में समर्पित किया है। जिले की मुखिया रानी बाटड ने भी मैहर के गौरव दिवस पर अंतराष्ट्रीय स्तर पर मैहर का नाम रोशन कर बेटियों का मान बढ़ाया है। मैहर जिले में पदस्थ महिला अधिकारियों ने कार्यालय की सीमाओं से परे अपने मन, कर्म और वाणी से मैहर को अपनी कर्मस्थली माना है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।